



Ratna Jyoti

An ISO Certified Company
GSTIN:-19ADBPN6598G1Z1

OUR
EXPERIENCE
YOU CAN TRUST



Sample



Demo

Model: Love-Compatibility-Report-Web

SrNo: 101-111-105-1030 / 273

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

कुंडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबंध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाडी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबंधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते हैं। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।



स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 30/08/1988 : _____ जन्म तिथि _____ : 20/05/1990
 मंगलवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 10:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 06:00:00 घंटे
 घटी 10:04:32 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 01:19:42 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:58:11 : _____ सूर्योदय _____ : 05:28:07
 18:44:43 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:07:31
 23:42:00 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:43:33

तुला : _____ लग्न _____ : वृष
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 मीन : _____ राशि _____ : मीन
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 रेवती : _____ नक्षत्र _____ : पू०भाद्रपद
 बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : गुरु
 2 : _____ चरण _____ : 4
 गण्ड : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
 बव : _____ करण _____ : विष्टि
 दो-दौलत : _____ जन्म नामाक्षर _____ : दी-दीप्ति
 कन्या : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृष
 विप्र : _____ वर्ण _____ : विप्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
 गज : _____ योनि _____ : सिंह
 देव : _____ गण _____ : मनुष्य
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : सर्प



गणना

गणनाएं किसी भी जन्मपत्री का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग हैं।

गणनाएं किसी भी जन्मपत्री का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग होती हैं। इन गणनाओं में सभी आरंभिक और महत्वपूर्ण ज्योतिषीय गणनाएं जैसे ग्रहों के अंश, महत्वपूर्ण कुण्डलियां, ग्राफ और दशा गणना आदि शामिल हैं। प्रत्येक गणना के अपने सिद्धान्त व महत्व हैं। इन्हीं सटीक गणनाओं की सहायता से ही ज्योतिषी ज्ञाताक के भूत, भविष्य व वर्तमान के बारे में सही अनुमान लगा पाता है।

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 10वर्ष 5मा 1दि शुक्र	05:27:33 13:19:12	तुला सिंह	लग्न सूर्य	वृष वृष	12:36:49 05:01:33	गुरु 0वर्ष 8मा 22दि बुध
31/01/2006	21:49:38	मीन	चंद्र	मीन	02:43:38	09/02/2010
31/01/2026	17:40:25	मीन व	मंगल	कुंभ	27:57:40	09/02/2027
शुक्र 01/06/2009	05:20:07	कन्या	बुध	मेष	14:31:12	बुध 08/07/2012
सूर्य 01/06/2010	11:22:54	वृष	गुरु	मिथु	16:41:00	केतु 05/07/2013
चन्द्र 31/01/2012	27:43:05	मिथु	शुक्र	मीन	24:15:54	शुक्र 05/05/2016
मंगल 01/04/2013	02:13:44	धनु व	शनि व	मक	01:25:52	सूर्य 11/03/2017
राहु 01/04/2016	20:23:00	कुंभ	राहु व	मक	16:28:09	चन्द्र 11/08/2018
गुरु 01/12/2018	20:23:00	सिंह	केतु व	कर्क	16:28:09	मंगल 08/08/2019
शनि 31/01/2022	03:21:37	धनु व	हर्ष व	धनु	15:20:25	राहु 24/02/2022
बुध 01/12/2024	13:49:23	धनु व	नेप व	धनु	20:33:21	गुरु 01/06/2024
केतु 31/01/2026	16:31:54	तुला	प्लूटो व	तुला	22:19:02	शनि 09/02/2027

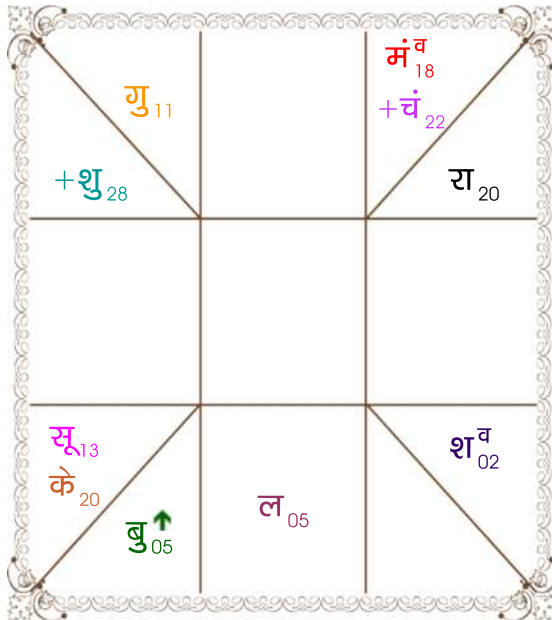
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

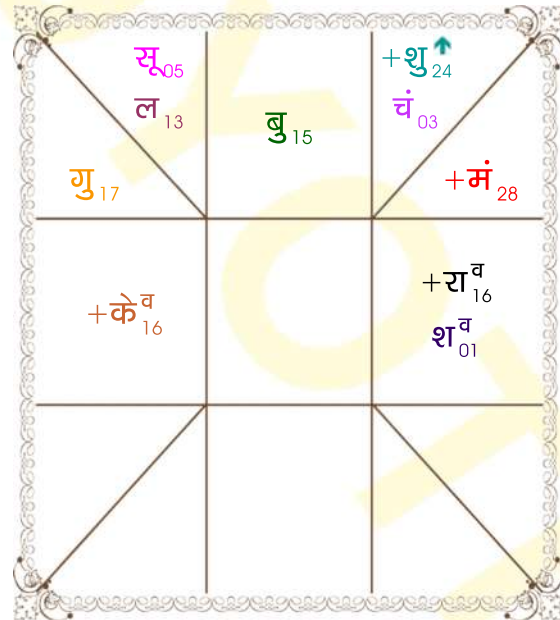
राहु : स्पष्ट

23:42:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:33

लग्न-चलित



लग्न-चलित



 **RATNA JYOTI**®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

चन्द्र कुंडली

गु	चं	मं
शु	ल	रा
सू		श
के	बु	

चन्द्र कुंडली

सू	बु	चं	शु
गु		ल	मं
के		रा	श

सूर्य कुंडली

गु	मं	चं
शु	रा	
सू	ल	श
के	बु	

सूर्य कुंडली

सू	बु	शु	चं
गु		मं	
के		रा	श

नवमांश कुंडली

शु	रा	बु
	गु	
	श	चं
सू		मं
	के	ल

नवमांश कुंडली

रा	ल	गु	शु
मं			सू
चं		श	
बु		के	



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिए, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली			लग्न कुंडली		
गु ₁₁		मं ^व ₁₈ चं ₂₂	सू ₀₅ ल ₁₃	बु ₁₅	शु [↑] ₂₄ चं ₀₃
शु ₂₈		रा ₂₀	गु ₁₇		मं ₂₈
			के ^व ₁₆		रा ^व ₁₆ श ^व ₀₁
सू ₁₃ के ₂₀		श ^व ₀₂			
बु [↑] ₀₅	ल ₀₅				

देह विचारः

देह विचारः

होरा कुंडली			होरा कुंडली		
के			श	गु	
बु	गु		सू	ल	
शु	रा		मं	चं	
सू ^व मं श	ल		शु ^व रा के	बु	

सम्पदाविचारः

सम्पदाविचारः



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

	के	शु
मं		
बु यु	ल रा	सू श चं

भातृसौख्यम्

द्रेष्काण कुंडली

रा सू		चं
		श
बु ल	मं गु	शु के

भातृसौख्यम्

चतुर्थाश कुंडली

		शु के
गु रा बु	ल चं मं	श सू

भाग्यविचारः

चतुर्थाश कुंडली

सू		चं
रा बु		के श
ल		गु शु मं

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

रा	बु	चं
		गु मं
		शु श के ल सू

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

	के	शु
		ल
मं	चं गु	रा सू

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

शु	रा गु श	बु
सू		चं
	के ल	मं

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

बु च	गु मं	शु के
		ल
रा		सू श ल

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

शु	के	
		सू
गु	मं रा	ल श चं बु

पितृसौख्यम

नवमांश कुंडली

रा	ल	गु शु सू
मं	चं	श
बु		के

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

ल		रा सू
शु		
के बु	श	चं मं गु

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

	चं	
रा सू		के मं श
बु	ल	गु शु

पितृसौख्यम

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

के रा	ल	सू शु बु यु
		श
मं		चं

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

के रा	श	मं ल
		चं
बु यु	शु	सू

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

रा	श	गु मं
बु		शु
ल	सू चं	के

सर्वास्थितिविचारः

षोडशांश कुंडली

	श	ल
		चं
गु	सू मं	शु रा के बु

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

के रा	श	मं ल
		चं
बु यु	शु	सू

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

		क मं शु श
ल		
	चं	
रा	मं बु	

सर्वास्थितिविचारः



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री - Sample

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	सम	---	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	सम	सम	---	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	---	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	सम	सम	अतिमित्र
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	अतिमित्र	शत्रु	सम	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

पंचधा मैत्री - Demo

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	---	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	सम	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

28	27	32
28		27
27		35
30	ल 29	27
23		24

सर्वाष्टकवर्ग

29 ल	26	34
23		30
24		32
32	25	28
24		30

Sample

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	वु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	6	2	3	5	2	3	2	2	3	4	3	39
गुरु	6	4	5	5	3	4	5	6	3	4	6	5	56
मंगल	3	3	3	3	3	2	5	2	4	5	2	4	39
सूर्य	2	4	4	3	5	5	3	4	5	6	2	5	48
शुक्र	3	4	5	5	4	3	4	4	2	6	7	5	52
बुध	5	2	6	5	5	4	6	3	5	7	2	4	54
चंद्र	4	5	3	3	5	3	3	3	6	4	4	6	49
बिन्दु	27	28	28	27	30	23	29	24	27	35	27	32	337
रेखा	29	28	28	29	26	33	27	32	29	21	29	24	335

Demo

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	वु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	5	3	2	4	1	2	5	3	4	4	4	39
गुरु	4	5	4	5	6	5	1	5	6	6	4	5	56
मंगल	2	4	1	3	5	4	4	3	1	3	5	4	39
सूर्य	3	3	2	2	7	4	4	4	4	4	7	4	48
शुक्र	6	5	4	4	3	3	5	3	5	5	3	6	52
बुध	6	4	4	2	5	4	6	4	4	6	4	5	54
चंद्र	3	3	5	6	2	3	3	6	5	4	3	6	49
बिन्दु	26	29	23	24	32	24	25	30	28	32	30	34	337
रेखा	30	27	33	32	24	32	31	26	28	24	26	22	335

शोध्य पिंड - Sample

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	127	84	84	115	33	61	116
ग्रह पिंड	75	74	48	51	0	40	68
शोध्य पिंड	202	158	132	166	33	101	184

शोध्य पिंड - Demo

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	159	55	132	84	100	99	153
ग्रह पिंड	69	30	54	56	59	81	85
शोध्य पिंड	228	85	186	140	159	180	238

दशा

किसी जातक के अपरिवर्तनीय भूतकाल का परिणाम वर्तमान में चल रही अच्छी या बुरी दशाओं में प्रतिबिंबित होता है।

प्रत्येक जातक की कुंडली में उसके अच्छे-बुरे आने वाले काल का निर्देश होता है जिसका अनुभव आने वाले दशा-अन्तर्दशा काल में होता है। यदि किसी ग्रह की शुभ दशा चलती है तो जीवन में शुभ घटनाएं घटित होती हैं तथा आय, सफलता के चरमोत्कर्ष पर पहुंचते हैं। इसके विपरीत यदि दशा अशुभ होती है तो अन्यान्य समस्याओं, बीड़ा जकिल कष्ट, बाधा, असफलता आदि का सामना करना पड़ता है।

विंशोत्तरी दशा

बुध 10 वर्ष 5 मास 1 दिन

गुरु 0 वर्ष 8 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
30/08/1988	31/01/1999	31/01/2006	20/05/1990	09/02/1991	09/02/2010
31/01/1999	31/01/2006	31/01/2026	09/02/1991	09/02/2010	09/02/2027
00/00/0000	केतु 29/06/1999	शुक्र 01/06/2009	00/00/0000	शनि 12/02/1994	बुध 08/07/2012
00/00/0000	शुक्र 28/08/2000	सूर्य 01/06/2010	00/00/0000	बुध 22/10/1996	केतु 05/07/2013
30/08/1988	सूर्य 03/01/2001	चंद्र 31/01/2012	00/00/0000	केतु 01/12/1997	शुक्र 05/05/2016
सूर्य 02/03/1989	चंद्र 04/08/2001	मंगल 01/04/2013	00/00/0000	शुक्र 31/01/2001	सूर्य 11/03/2017
चंद्र 01/08/1990	मंगल 31/12/2001	राहु 01/04/2016	00/00/0000	सूर्य 13/01/2002	चंद्र 11/08/2018
मंगल 30/07/1991	राहु 19/01/2003	गुरु 01/12/2018	00/00/0000	चंद्र 14/08/2003	मंगल 08/08/2019
राहु 15/02/1994	गुरु 26/12/2003	शनि 31/01/2022	00/00/0000	मंगल 22/09/2004	राहु 24/02/2022
गुरु 23/05/1996	शनि 02/02/2005	बुध 01/12/2024	20/05/1990	राहु 30/07/2007	गुरु 01/06/2024
शनि 31/01/1999	बुध 31/01/2006	केतु 31/01/2026	राहु 09/02/1991	गुरु 09/02/2010	शनि 09/02/2027
सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
31/01/2026	31/01/2032	31/01/2042	09/02/2027	09/02/2034	09/02/2054
31/01/2032	31/01/2042	30/01/2049	09/02/2034	09/02/2054	10/02/2060
सूर्य 20/05/2026	चंद्र 01/12/2032	मंगल 29/06/2042	केतु 09/07/2027	शुक्र 11/06/2037	सूर्य 30/05/2054
चंद्र 19/11/2026	मंगल 02/07/2033	राहु 17/07/2043	शुक्र 07/09/2028	सूर्य 11/06/2038	चंद्र 28/11/2054
मंगल 27/03/2027	राहु 31/12/2034	गुरु 22/06/2044	सूर्य 13/01/2029	चंद्र 10/02/2040	मंगल 05/04/2055
राहु 18/02/2028	गुरु 01/05/2036	शनि 01/08/2045	चंद्र 14/08/2029	मंगल 11/04/2041	राहु 28/02/2056
गुरु 07/12/2028	शनि 01/12/2037	बुध 29/07/2046	मंगल 10/01/2030	राहु 11/04/2044	गुरु 16/12/2056
शनि 19/11/2029	बुध 02/05/2039	केतु 25/12/2046	राहु 28/01/2031	गुरु 11/12/2046	शनि 28/11/2057
बुध 25/09/2030	केतु 01/12/2039	शुक्र 25/02/2048	गुरु 04/01/2032	शनि 09/02/2050	बुध 05/10/2058
केतु 31/01/2031	शुक्र 01/08/2041	सूर्य 01/07/2048	शनि 12/02/2033	बुध 10/12/2052	केतु 09/02/2059
शुक्र 31/01/2032	सूर्य 31/01/2042	चंद्र 30/01/2049	बुध 09/02/2034	केतु 09/02/2054	शुक्र 10/02/2060
राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
30/01/2049	31/01/2067	31/01/2083	10/02/2060	09/02/2070	09/02/2077
31/01/2067	31/01/2083	01/02/2102	09/02/2070	09/02/2077	09/02/2095
राहु 14/10/2051	गुरु 20/03/2069	शनि 03/02/2086	चंद्र 10/12/2060	मंगल 08/07/2070	राहु 23/10/2079
गुरु 08/03/2054	शनि 01/10/2071	बुध 13/10/2088	मंगल 11/07/2061	राहु 27/07/2071	गुरु 18/03/2082
शनि 12/01/2057	बुध 06/01/2074	केतु 22/11/2089	राहु 10/01/2063	गुरु 02/07/2072	शनि 22/01/2085
बुध 02/08/2059	केतु 13/12/2074	शुक्र 21/01/2093	गुरु 11/05/2064	शनि 11/08/2073	बुध 11/08/2087
केतु 19/08/2060	शुक्र 13/08/2077	सूर्य 03/01/2094	शनि 10/12/2065	बुध 08/08/2074	केतु 29/08/2088
शुक्र 20/08/2063	सूर्य 01/06/2078	चंद्र 05/08/2095	बुध 12/05/2067	केतु 04/01/2075	शुक्र 29/08/2091
सूर्य 14/07/2064	चंद्र 01/10/2079	मंगल 12/09/2096	केतु 11/12/2067	शुक्र 05/03/2076	सूर्य 23/07/2092
चंद्र 12/01/2066	मंगल 06/09/2080	राहु 20/07/2099	शुक्र 11/08/2069	सूर्य 11/07/2076	चंद्र 22/01/2094
मंगल 31/01/2067	राहु 31/01/2083	गुरु 01/02/2102	सूर्य 09/02/2070	चंद्र 09/02/2077	मंगल 09/02/2095



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शनि	शुक्र - बुध	शुक्र - केतु	बुध - मंगल	बुध - राहु	बुध - गुरु
01/12/2018	31/01/2022	01/12/2024	11/08/2018	08/08/2019	24/02/2022
31/01/2022	01/12/2024	31/01/2026	08/08/2019	24/02/2022	01/06/2024
शनि 02/06/2019	बुध 26/06/2022	केतु 25/12/2024	मंगल01/09/2018	राहु 26/12/2019	गुरु 15/06/2022
बुध 13/11/2019	केतु 26/08/2022	शुक्र 06/03/2025	राहु 25/10/2018	गुरु 28/04/2020	शनि 24/10/2022
केतु 20/01/2020	शुक्र 14/02/2023	सूर्य 28/03/2025	गुरु 13/12/2018	शनि 22/09/2020	बुध 18/02/2023
शुक्र 30/07/2020	सूर्य 07/04/2023	चंद्र 02/05/2025	शनि 08/02/2019	बुध 01/02/2021	केतु 07/04/2023
सूर्य 26/09/2020	चंद्र 02/07/2023	मंगल27/05/2025	बुध 31/03/2019	केतु 28/03/2021	शुक्र 23/08/2023
चंद्र 31/12/2020	मंगल31/08/2023	राहु 30/07/2025	केतु 21/04/2019	शुक्र 30/08/2021	सूर्य 04/10/2023
मंगल09/03/2021	राहु 03/02/2024	गुरु 25/09/2025	शुक्र 21/06/2019	सूर्य 15/10/2021	चंद्र 12/12/2023
राहु 29/08/2021	गुरु 20/06/2024	शनि 01/12/2025	सूर्य 09/07/2019	चंद्र 01/01/2022	मंगल29/01/2024
गुरु 31/01/2022	शनि 01/12/2024	बुध 31/01/2026	चंद्र 08/08/2019	मंगल24/02/2022	राहु 01/06/2024
सूर्य - सूर्य	सूर्य - चंद्र	सूर्य - मंगल	बुध - शनि	केतु - केतु	केतु - शुक्र
31/01/2026	20/05/2026	19/11/2026	01/06/2024	09/02/2027	09/07/2027
20/05/2026	19/11/2026	27/03/2027	09/02/2027	09/07/2027	07/09/2028
सूर्य 05/02/2026	चंद्र 04/06/2026	मंगल26/11/2026	शनि 04/11/2024	केतु 18/02/2027	शुक्र 18/09/2027
चंद्र 14/02/2026	मंगल15/06/2026	राहु 16/12/2026	बुध 23/03/2025	शुक्र 15/03/2027	सूर्य 09/10/2027
मंगल21/02/2026	राहु 13/07/2026	गुरु 02/01/2027	केतु 20/05/2025	सूर्य 22/03/2027	चंद्र 13/11/2027
राहु 09/03/2026	गुरु 06/08/2026	शनि 22/01/2027	शुक्र 30/10/2025	चंद्र 04/04/2027	मंगल08/12/2027
गुरु 24/03/2026	शनि 04/09/2026	बुध 09/02/2027	सूर्य 19/12/2025	मंगल13/04/2027	राहु 10/02/2028
शनि 10/04/2026	बुध 30/09/2026	केतु 16/02/2027	चंद्र 11/03/2026	राहु 05/05/2027	गुरु 07/04/2028
बुध 26/04/2026	केतु 10/10/2026	शुक्र 10/03/2027	मंगल07/05/2026	गुरु 25/05/2027	शनि 13/06/2028
केतु 02/05/2026	शुक्र 10/11/2026	सूर्य 16/03/2027	राहु 01/10/2026	शनि 17/06/2027	बुध 13/08/2028
शुक्र 20/05/2026	सूर्य 19/11/2026	चंद्र 27/03/2027	गुरु 09/02/2027	बुध 09/07/2027	केतु 07/09/2028
सूर्य - राहु	सूर्य - गुरु	सूर्य - शनि	केतु - सूर्य	केतु - चंद्र	केतु - मंगल
27/03/2027	18/02/2028	07/12/2028	07/09/2028	13/01/2029	14/08/2029
18/02/2028	07/12/2028	19/11/2029	13/01/2029	14/08/2029	10/01/2030
राहु 15/05/2027	गुरु 28/03/2028	शनि 31/01/2029	सूर्य 13/09/2028	चंद्र 30/01/2029	मंगल22/08/2029
गुरु 28/06/2027	शनि 14/05/2028	बुध 21/03/2029	चंद्र 24/09/2028	मंगल12/02/2029	राहु 14/09/2029
शनि 19/08/2027	बुध 24/06/2028	केतु 10/04/2029	मंगल01/10/2028	राहु 16/03/2029	गुरु 04/10/2029
बुध 04/10/2027	केतु 11/07/2028	शुक्र 07/06/2029	राहु 20/10/2028	गुरु 13/04/2029	शनि 27/10/2029
केतु 24/10/2027	शुक्र 29/08/2028	सूर्य 24/06/2029	गुरु 06/11/2028	शनि 17/05/2029	बुध 17/11/2029
शुक्र 17/12/2027	सूर्य 12/09/2028	चंद्र 23/07/2029	शनि 27/11/2028	बुध 16/06/2029	केतु 26/11/2029
सूर्य 03/01/2028	चंद्र 07/10/2028	मंगल12/08/2029	बुध 15/12/2028	केतु 28/06/2029	शुक्र 21/12/2029
चंद्र 30/01/2028	मंगल24/10/2028	राहु 03/10/2029	केतु 22/12/2028	शुक्र 03/08/2029	सूर्य 28/12/2029
मंगल18/02/2028	राहु 07/12/2028	गुरु 19/11/2029	शुक्र 13/01/2029	सूर्य 14/08/2029	चंद्र 10/01/2030



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - बुध	सूर्य - केतु	सूर्य - शुक्र	केतु - राहु	केतु - गुरु	केतु - शनि
19/11/2029	25/09/2030	31/01/2031	10/01/2030	28/01/2031	04/01/2032
25/09/2030	31/01/2031	31/01/2032	28/01/2031	04/01/2032	12/02/2033
बुध 02/01/2030	केतु 03/10/2030	शुक्र 02/04/2031	राहु 08/03/2030	गुरु 15/03/2031	शनि 08/03/2032
केतु 20/01/2030	शुक्र 24/10/2030	सूर्य 20/04/2031	गुरु 28/04/2030	शनि 08/05/2031	बुध 05/05/2032
शुक्र 12/03/2030	सूर्य 30/10/2030	चंद्र 20/05/2031	शनि 28/06/2030	बुध 25/06/2031	केतु 28/05/2032
सूर्य 28/03/2030	चंद्र 10/11/2030	मंगल 11/06/2031	बुध 21/08/2030	केतु 15/07/2031	शुक्र 04/08/2032
चंद्र 23/04/2030	मंगल 17/11/2030	राहु 05/08/2031	केतु 13/09/2030	शुक्र 10/09/2031	सूर्य 24/08/2032
मंगल 11/05/2030	राहु 07/12/2030	गुरु 22/09/2031	शुक्र 16/11/2030	सूर्य 27/09/2031	चंद्र 27/09/2032
राहु 27/06/2030	गुरु 24/12/2030	शनि 19/11/2031	सूर्य 05/12/2030	चंद्र 25/10/2031	मंगल 20/10/2032
गुरु 07/08/2030	शनि 13/01/2031	बुध 10/01/2032	चंद्र 06/01/2031	मंगल 14/11/2031	राहु 20/12/2032
शनि 25/09/2030	बुध 31/01/2031	केतु 31/01/2032	मंगल 28/01/2031	राहु 04/01/2032	गुरु 12/02/2033
चंद्र - चंद्र	चंद्र - मंगल	चंद्र - राहु	केतु - बुध	शुक्र - शुक्र	शुक्र - सूर्य
31/01/2032	01/12/2032	02/07/2033	12/02/2033	09/02/2034	11/06/2037
01/12/2032	02/07/2033	31/12/2034	09/02/2034	11/06/2037	11/06/2038
चंद्र 26/02/2032	मंगल 13/12/2032	राहु 22/09/2033	बुध 04/04/2033	शुक्र 31/08/2034	सूर्य 29/06/2037
मंगल 14/03/2032	राहु 14/01/2033	गुरु 04/12/2033	केतु 25/04/2033	सूर्य 31/10/2034	चंद्र 29/07/2037
राहु 29/04/2032	गुरु 11/02/2033	शनि 01/03/2034	शुक्र 25/06/2033	चंद्र 09/02/2035	मंगल 20/08/2037
गुरु 09/06/2032	शनि 17/03/2033	बुध 17/05/2034	सूर्य 13/07/2033	मंगल 21/04/2035	राहु 13/10/2037
शनि 27/07/2032	बुध 16/04/2033	केतु 18/06/2034	चंद्र 12/08/2033	राहु 21/10/2035	गुरु 01/12/2037
बुध 08/09/2032	केतु 29/04/2033	शुक्र 17/09/2034	मंगल 02/09/2033	गुरु 31/03/2036	शनि 28/01/2038
केतु 26/09/2032	शुक्र 03/06/2033	सूर्य 15/10/2034	राहु 27/10/2033	शनि 10/10/2036	बुध 21/03/2038
शुक्र 15/11/2032	सूर्य 14/06/2033	चंद्र 30/11/2034	गुरु 14/12/2033	बुध 01/04/2037	केतु 11/04/2038
सूर्य 01/12/2032	चंद्र 02/07/2033	मंगल 31/12/2034	शनि 09/02/2034	केतु 11/06/2037	शुक्र 11/06/2038
चंद्र - गुरु	चंद्र - शनि	चंद्र - बुध	शुक्र - चंद्र	शुक्र - मंगल	शुक्र - राहु
31/12/2034	01/05/2036	01/12/2037	11/06/2038	10/02/2040	11/04/2041
01/05/2036	01/12/2037	02/05/2039	10/02/2040	11/04/2041	11/04/2044
गुरु 06/03/2035	शनि 01/08/2036	बुध 12/02/2038	चंद्र 01/08/2038	मंगल 06/03/2040	राहु 22/09/2041
शनि 23/05/2035	बुध 22/10/2036	केतु 14/03/2038	मंगल 05/09/2038	राहु 08/05/2040	गुरु 15/02/2042
बुध 31/07/2035	केतु 25/11/2036	शुक्र 09/06/2038	राहु 06/12/2038	गुरु 04/07/2040	शनि 08/08/2042
केतु 28/08/2035	शुक्र 01/03/2037	सूर्य 04/07/2038	गुरु 25/02/2039	शनि 10/09/2040	बुध 10/01/2043
शुक्र 17/11/2035	सूर्य 30/03/2037	चंद्र 17/08/2038	शनि 01/06/2039	बुध 09/11/2040	केतु 15/03/2043
सूर्य 11/12/2035	चंद्र 17/05/2037	मंगल 16/09/2038	बुध 26/08/2039	केतु 04/12/2040	शुक्र 14/09/2043
चंद्र 21/01/2036	मंगल 20/06/2037	राहु 02/12/2038	केतु 01/10/2039	शुक्र 13/02/2041	सूर्य 07/11/2043
मंगल 18/02/2036	राहु 15/09/2037	गुरु 09/02/2039	शुक्र 10/01/2040	सूर्य 06/03/2041	चंद्र 07/02/2044
राहु 01/05/2036	गुरु 01/12/2037	शनि 02/05/2039	सूर्य 10/02/2040	चंद्र 11/04/2041	मंगल 11/04/2044



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

योगिनी दशा

उल्का 3 वर्ष 8 मास 4 दिन

उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष
30/08/1988	04/05/1992	05/05/1999
04/05/1992	05/05/1999	05/05/2007
00/00/0000	सिद्ध 13/09/1993	संक 12/02/2001
30/08/1988	संक 05/04/1995	मंग 04/05/2001
संक 03/11/1989	मंग 15/06/1995	पिंग 14/10/2001
मंग 03/01/1990	पिंग 04/11/1995	धांय 14/06/2002
पिंग 05/05/1990	धांय 04/06/1996	भाम 05/05/2003
धांय 03/11/1990	भाम 15/03/1997	भद्रि 14/06/2004
भाम 05/07/1991	भद्रि 05/03/1998	उल्क 14/10/2005
भद्रि 04/05/1992	उल्क 05/05/1999	सिद्ध 05/05/2007

भामरी 0 वर्ष 2 मास 5 दिन

भामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष
20/05/1990	25/07/1990	25/07/1995
25/07/1990	25/07/1995	25/07/2001
00/00/0000	भद्रि 05/04/1991	उल्क 25/07/1996
00/00/0000	उल्क 03/02/1992	सिद्ध 24/09/1997
00/00/0000	सिद्ध 23/01/1993	संक 24/01/1999
00/00/0000	संक 05/03/1994	मंग 26/03/1999
00/00/0000	मंग 25/04/1994	पिंग 25/07/1999
00/00/0000	पिंग 04/08/1994	धांय 24/01/2000
20/05/1990	धांय 04/01/1995	भाम 24/09/2000
धांय 25/07/1990	भाम 25/07/1995	भद्रि 25/07/2001

मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष
05/05/2007	04/05/2008	05/05/2010
04/05/2008	05/05/2010	04/05/2013
मंग 15/05/2007	पिंग 14/06/2008	धांय 04/08/2010
पिंग 04/06/2007	धांय 14/08/2008	भाम 04/12/2010
धांय 05/07/2007	भाम 03/11/2008	भद्रि 05/05/2011
भाम 14/08/2007	भद्रि 12/02/2009	उल्क 04/11/2011
भद्रि 04/10/2007	उल्क 14/06/2009	सिद्ध 04/06/2012
उल्क 04/12/2007	सिद्ध 03/11/2009	संक 02/02/2013
सिद्ध 13/02/2008	संक 14/04/2010	मंग 05/03/2013
संक 04/05/2008	मंग 05/05/2010	पिंग 04/05/2013

सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष
25/07/2001	25/07/2008	25/07/2016
25/07/2008	25/07/2016	25/07/2017
सिद्ध 04/12/2002	संक 05/05/2010	मंग 04/08/2016
संक 24/06/2004	मंग 25/07/2010	पिंग 24/08/2016
मंग 03/09/2004	पिंग 04/01/2011	धांय 24/09/2016
पिंग 23/01/2005	धांय 04/09/2011	भाम 03/11/2016
धांय 24/08/2005	भाम 25/07/2012	भद्रि 24/12/2016
भाम 04/06/2006	भद्रि 04/09/2013	उल्क 23/02/2017
भद्रि 26/05/2007	उल्क 04/01/2015	सिद्ध 05/05/2017
उल्क 25/07/2008	सिद्ध 25/07/2016	संक 25/07/2017

भामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष
04/05/2013	04/05/2017	05/05/2022
04/05/2017	05/05/2022	04/05/2028
भाम 14/10/2013	भद्रि 13/01/2018	उल्क 05/05/2023
भद्रि 05/05/2014	उल्क 13/11/2018	सिद्ध 04/07/2024
उल्क 03/01/2015	सिद्ध 04/11/2019	संक 03/11/2025
सिद्ध 14/10/2015	संक 13/12/2020	मंग 03/01/2026
संक 03/09/2016	मंग 02/02/2021	पिंग 05/05/2026
मंग 14/10/2016	पिंग 15/05/2021	धांय 03/11/2026
पिंग 03/01/2017	धांय 14/10/2021	भाम 05/07/2027
धांय 04/05/2017	भाम 05/05/2022	भद्रि 04/05/2028

पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भामरी 4 वर्ष
25/07/2017	25/07/2019	25/07/2022
25/07/2019	25/07/2022	25/07/2026
पिंग 04/09/2017	धांय 25/10/2019	भाम 04/01/2023
धांय 03/11/2017	भाम 23/02/2020	भद्रि 25/07/2023
भाम 24/01/2018	भद्रि 25/07/2020	उल्क 25/03/2024
भद्रि 05/05/2018	उल्क 23/01/2021	सिद्ध 03/01/2025
उल्क 04/09/2018	सिद्ध 24/08/2021	संक 24/11/2025
सिद्ध 24/01/2019	संक 25/04/2022	मंग 03/01/2026
संक 05/07/2019	मंग 25/05/2022	पिंग 25/03/2026
मंग 25/07/2019	पिंग 25/07/2022	धांय 25/07/2026



योगिनी दशा

उल्का 3 वर्ष 8 मास 4 दिन

सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष
04/05/2028	05/05/2035	05/05/2043
05/05/2035	05/05/2043	04/05/2044
सिद्ध 13/09/2029	संक 12/02/2037	मंग 15/05/2043
संक 05/04/2031	मंग 04/05/2037	पिंग 04/06/2043
मंग 15/06/2031	पिंग 14/10/2037	धांय 05/07/2043
पिंग 04/11/2031	धांय 14/06/2038	भाम 14/08/2043
धांय 04/06/2032	भाम 05/05/2039	भद्रि 04/10/2043
भाम 15/03/2033	भद्रि 14/06/2040	उल्क 04/12/2043
भद्रि 05/03/2034	उल्क 14/10/2041	सिद्ध 13/02/2044
उल्क 05/05/2035	सिद्ध 05/05/2043	संक 04/05/2044

भामरी 0 वर्ष 2 मास 5 दिन

भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष
25/07/2026	25/07/2031	25/07/2037
25/07/2031	25/07/2037	25/07/2044
भद्रि 05/04/2027	उल्क 25/07/2032	सिद्ध 04/12/2038
उल्क 03/02/2028	सिद्ध 24/09/2033	संक 24/06/2040
सिद्ध 23/01/2029	संक 24/01/2035	मंग 03/09/2040
संक 05/03/2030	मंग 26/03/2035	पिंग 23/01/2041
मंग 25/04/2030	पिंग 25/07/2035	धांय 24/08/2041
पिंग 04/08/2030	धांय 24/01/2036	भाम 04/06/2042
धांय 04/01/2031	भाम 24/09/2036	भद्रि 26/05/2043
भाम 25/07/2031	भद्रि 25/07/2037	उल्क 25/07/2044

पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भामरी 4 वर्ष
04/05/2044	05/05/2046	04/05/2049
05/05/2046	04/05/2049	04/05/2053
पिंग 14/06/2044	धांय 04/08/2046	भाम 14/10/2049
धांय 14/08/2044	भाम 04/12/2046	भद्रि 05/05/2050
भाम 03/11/2044	भद्रि 05/05/2047	उल्क 03/01/2051
भद्रि 12/02/2045	उल्क 04/11/2047	सिद्ध 14/10/2051
उल्क 14/06/2045	सिद्ध 04/06/2048	संक 03/09/2052
सिद्ध 03/11/2045	संक 02/02/2049	मंग 14/10/2052
संक 14/04/2046	मंग 05/03/2049	पिंग 03/01/2053
मंग 05/05/2046	पिंग 04/05/2049	धांय 04/05/2053

संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष
25/07/2044	25/07/2052	25/07/2053
25/07/2052	25/07/2053	25/07/2055
संक 05/05/2046	मंग 04/08/2052	पिंग 04/09/2053
मंग 25/07/2046	पिंग 24/08/2052	धांय 03/11/2053
पिंग 04/01/2047	धांय 24/09/2052	भाम 24/01/2054
धांय 04/09/2047	भाम 03/11/2052	भद्रि 05/05/2054
भाम 25/07/2048	भद्रि 24/12/2052	उल्क 04/09/2054
भद्रि 04/09/2049	उल्क 23/02/2053	सिद्ध 24/01/2055
उल्क 04/01/2051	सिद्ध 05/05/2053	संक 05/07/2055
सिद्ध 25/07/2052	संक 25/07/2053	मंग 25/07/2055

भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष
04/05/2053	05/05/2058	04/05/2064
05/05/2058	04/05/2064	05/05/2071
भद्रि 13/01/2054	उल्क 05/05/2059	सिद्ध 13/09/2065
उल्क 13/11/2054	सिद्ध 04/07/2060	संक 05/04/2067
सिद्ध 04/11/2055	संक 03/11/2061	मंग 15/06/2067
संक 13/12/2056	मंग 03/01/2062	पिंग 04/11/2067
मंग 02/02/2057	पिंग 05/05/2062	धांय 04/06/2068
पिंग 15/05/2057	धांय 03/11/2062	भाम 15/03/2069
धांय 14/10/2057	भाम 05/07/2063	भद्रि 05/03/2070
भाम 05/05/2058	भद्रि 04/05/2064	उल्क 05/05/2071

धान्या 3 वर्ष	भामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष
25/07/2055	25/07/2058	25/07/2062
25/07/2058	25/07/2062	25/07/2067
धांय 25/10/2055	भाम 04/01/2059	भद्रि 05/04/2063
भाम 23/02/2056	भद्रि 25/07/2059	उल्क 03/02/2064
भद्रि 25/07/2056	उल्क 25/03/2060	सिद्ध 23/01/2065
उल्क 23/01/2057	सिद्ध 03/01/2061	संक 05/03/2066
सिद्ध 24/08/2057	संक 24/11/2061	मंग 25/04/2066
संक 25/04/2058	मंग 03/01/2062	पिंग 04/08/2066
मंग 25/05/2058	पिंग 25/03/2062	धांय 04/01/2067
पिंग 25/07/2058	धांय 25/07/2062	भाम 25/07/2067



उपाय

जिस प्रकार से बीमारी के अनुरूप दवाई की आवश्यकता होती है उसी प्रकार से प्रत्येक व्यक्ति को उसकी जन्मकुण्डली के अनुरूप उपाय करने से ही कष्टों का निवारण होता है। सटीक उपाय कष्ट निवारण शीघ्र करते हैं।

इस खण्ड में समस्याओं से निजात पाने हेतु अनेक प्रकार के उपाय बतलाए गए हैं जिसमें अंकशास्त्र एवं ज्योतिष के सिद्धांतों के अनुरूप भाग्यशाली अंक, भाग्यशाली रंग, भाग्यशाली रत्न, भाग्यशाली दिवस, ग्रहों के शांति हेतु मंत्र, साढ़े साती के उपाय, मांगलिक विचार, कालसर्प दोष आदि के उपायों की सरल एवं विशद व्याख्या की गई है।

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांक से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

3	मूलांक	2
1	भाग्यांक	8
3, 5, 7, 9, 1	मित्र अंक	2, 7, 8
4, 8	शत्रु अंक	4, 5, 6
21,30,39,48,57	शुभ वर्ष	20,29,38,47,56
शनि, बुध, शुक्र	शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शनि, बुध, शुक्र	शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
वृश्चिक, धनु	मित्र राशि	वृश्चिक, धनु
मकर, मिथुन, सिंह	मित्र लग्न	सिंह, मकर, मीन
जगदम्बा	अनुकूल देवता	जगदम्बा
हीरा	शुभ रत्न	हीरा
जरकिन, ओपल	शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
पन्ना	भाग्य रत्न	नीलम
रजत	शुभ धातु	रजत
रजत	शुभ रंग	रजत
दक्षिणपूर्व	शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
सूर्योदय	शुभ समय	सूर्योदय
मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन	दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
चावल	दान अन्न	चावल
दूध	दान द्रव्य	दूध



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Sample

जीवन रत्न:	हीरा	भाग्योदय, दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य
भाग्य रत्न:	पन्ना	कम खर्च, भाग्योदय
कारक रत्न:	नीलम	पराक्रम, सुख, सन्तति सुख

Demo

जीवन रत्न:	हीरा	धनार्जन, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मूक्ति
भाग्य रत्न:	नीलम	भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
कारक रत्न:	पन्ना	कम खर्च, धन, सन्तति सुख
शुभ उपरत्न:	गोमेद माणिक्य	भाग्योदय स्वास्थ्य, सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है। प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है।

प्रथम चक्र:		प्रथम चक्र:	
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	06/03/1993-10/08/1995	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	06/03/1993-10/08/1995
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	10/08/1995-16/04/1998	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	10/08/1995-16/04/1998
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/07/2002-05/09/2004	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/07/2002-05/09/2004
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-02/11/2014	अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-02/11/2014
द्वितीय चक्र:		द्वितीय चक्र:	
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	21/07/2022-24/03/2025	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/05/2032-06/07/2034	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/05/2032-06/07/2034
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043	अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043
तृतीय चक्र:		तृतीय चक्र:	
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	17/02/2052-09/09/2054	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/07/2061-15/02/2064	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/07/2061-15/02/2064
अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073	अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073
शनि का ढैया फल		शनि का ढैया फल	
ढैया के प्रकार	फल क्षेत्र	ढैया के प्रकार	फल क्षेत्र
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	शुभ सन्तति सुख	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	शुभ व्यावसायिक उन्नति
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	सम शत्रु व रोग	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	सम धनार्जन
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	अशुभ दाम्पत्य कलह	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	अशुभ व्यय
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम भाग्योदय	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम धन
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ स्वास्थ्य	अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ शत्रु व रोग मुक्ति

कालसर्प योग

अग्ने राहुरघः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः ।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय ॥

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलाद्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलाद्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं। कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते हैं। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त



किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Sample

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Demo

आपकी जन्मकुण्डली में शंखचूड़ नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। फलस्वरूप जातक को भाग्योदय होने में थोड़ा व्यवधान उपस्थित होता है और नौकरी में आगे बढ़ने के प्रयास में आंशिक रूप से रुकावटें आती हैं। परन्तु कालान्तर में व्यवधान स्वतः हट जाता है और कभी नौकरी में अवनति का भय होता है। व्यापार में थोड़ी बहुत रुकावट आकर नुकसान को जातक प्राप्त करता है। मित्रों द्वारा कपट व्यवहार होने के कारण जातक को धन की क्षति उठानी पड़ती है। पिता के सुख में न्यूनता रहती है। मामा पक्ष से या बहनोई से छल कपट किये जाने पर जातक आंशिक कष्ट पाता है और शासन की तरफ से भी थोड़ा बहुत मुसीबत आती है। अधिकारियों से कभी-कभी मनमुटाव हो जाता है। जिस कारण जातक को न्यायालय से कभी जुर्माना या आंशिक रूप में सजा मिल सकती है।

इस योग के प्रभाव से जातक के शरीर में कभी-कभी रोग व्याधि ग्रसित कर लेती है। जिसमें थोड़ा बहुत धन खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति असामान्य हो जाती है। कालान्तर में पुनः वह सामान्य हो जाती है। जातक को चिन्ता परेशानी समय-समय पर लग जाती है और वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय बन जाता है तथा प्रायः भोग से अतृप्त रहती है। घर में सुख शान्ति का थोड़ा बहुत अभाव रहता है। जातक कई प्रकार से धन्दे करता है पर स्थाई सफलता सदैव संदिग्ध रहती है। सुख प्राप्ति के लिए जातक को संघर्ष करना पड़ता है और सामाजिक मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा सामान्य रहती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त में तीन बार प्रवाहित करें।



4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रुमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैर, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

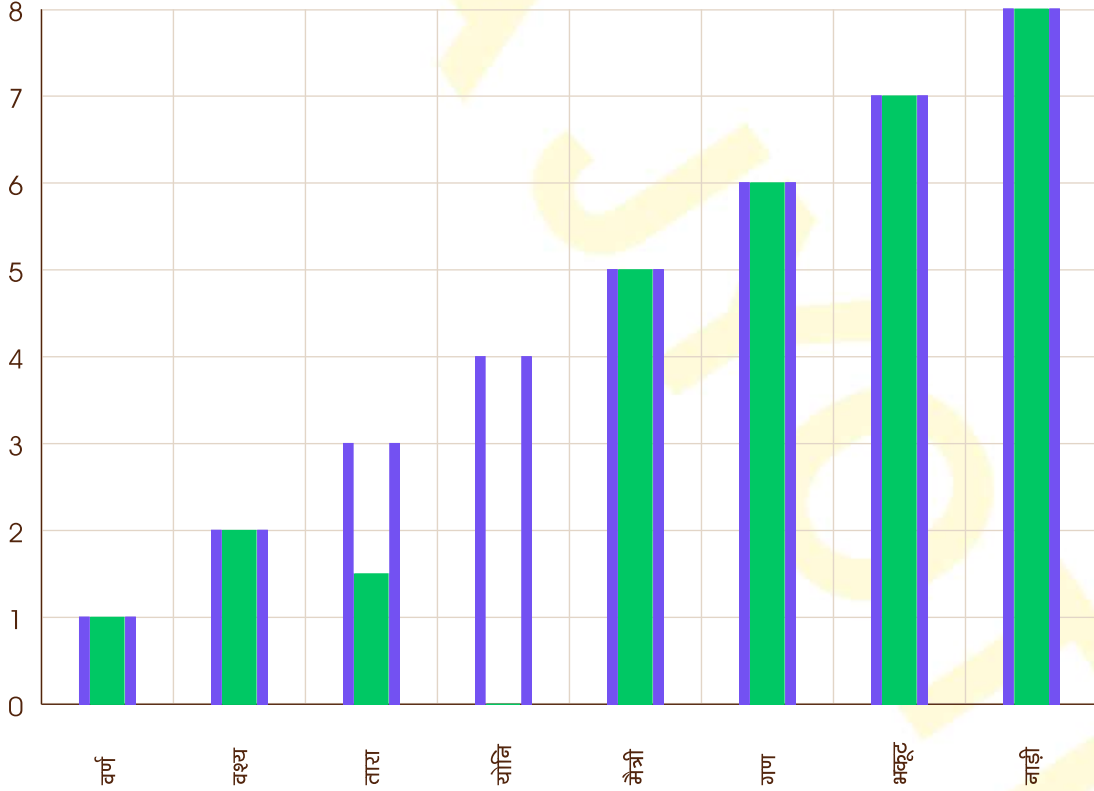
ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगैरे।



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

कुल : 30.5 / 36



अष्टकूट मिलान

Sample का वर्ग सर्प है तथा Demo का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Sample और Demo का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sample मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।
Demo मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।
Sample तथा Demo में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

फलकथन

प्रत्येक व्यक्ति अपने भविष्य में झांकने का प्रयास करता है। ज्योतिष ऐसा करने में सहायक होता है।

भविष्यकथन वैदिक ज्योतिष का सर्वाधिक उपयोगी विभाग है। जालक के व्यक्तित्व का विचार नवग्रहों बारह भावों और बारह राशियों के आधार पर किया जाता है। एक ग्रह की स्थिति का फलकथन करने के लिए विभिन्न सूत्रों को अपनाया जाता है जैसे एक भाव, राशि या नक्षत्र में तथा दूसरे ग्रह से उसकी स्थिति या जन्म के समय दिन कौन सा है अथवा कैसे ग्रह योग बन रहे हैं आदि। आपके जीवन को प्रभावित करने वाले विभिन्न घटकों का अध्ययन करें।

मेलापक फलित

स्वभाव

Sample एवं Demo की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख एवं शांति से व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Sample एवं Demo की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके शुभ प्रभाव से Sample एवं Demo के मध्य प्रगाढ़ मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम आकर्षण तथा समर्पण की भावना होगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। Sample और Demo एक दूसरे के सदगुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे शांति एवं सदभावना बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग एवं विश्वास का भाव बना रहेगा।

Sample और Demo की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है तथा सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहती है। इसके शुभ प्रभाव से Sample और Demo एक दूसरे के लिए परम सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी। इस प्रकार Sample और Demo एक दूसरे के पूरक रहेंगे तथा प्रेम पूर्वक निस्वार्थ भाव से अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Sample और Demo का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरुचियों में पूर्ण समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान होंगी। फलतः कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे दोनों सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

Sample एवं Demo का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की प्रवृत्ति शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यों में रहेगी तथा स्व बुद्धिमता एवं योग्यता से कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनाए रखने में समर्थ होंगे।

धन

Sample और Demo दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Sample की नाड़ी अन्त्य तथा Demo की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Sample और Demo अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Sample और Demo का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Sample और Demo को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Sample और Demo के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Demo का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Demo के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Demo सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Sample और Demo को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Sample और Demo का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Demo के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Demo अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Demo पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Demo अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Sample की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Sample सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Sample ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Sample के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अंक शास्त्र

अपने मूलांक और भाग्यांक ज्ञात कर अंकों की रहस्यमय शक्ति एवं तरंगों का अनुभव अपने जीवन में करें।

अंकशास्त्र आपके वर्तमान एवं भविष्य को आपके जन्मांक एवं नाम में मौजूद अक्षरों की सहायता से बताने एवं सजाने-संवारने की कला है। प्रत्येक अक्षर का एक अंकिक मान निर्धारित है जो खास खगोलीय स्थान से संबद्ध है। आपके जन्मांक में मौजूद अंक एवं नाम के अक्षरों में निहित अंकों के मान अंतरसंबंधित होते हैं। इन अंकों से आपके चरित्र, जीवन के उद्देश्य, प्रेरक तत्वों एवं योग्यता का पता चलता है। इससे आपको गृहूर्त, साझेदारी, प्रेम, विवाह, स्वास्थ्य, व्यवसाय, शुभ रंग, शुभ वाहन नंबर आदि का आपके अपने अंकों के अनुकूल निर्धारण करने में सहायता मिलती है।

अंक ज्योतिष फल

Sample

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर महिला के रूप में चर्चित रहेंगी। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगी। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगी। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगी। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगी। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगी तथा इसकी छया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगी एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगी। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय की, वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाली, धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य महिला के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

Demo

आपका जन्म दिनांक 20 है। दो एवं शून्य का जोड़ दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र तथा शून्य शिव या ब्रह्म है। इनके संयुक्त प्रभाव से आप एक सौम्य, सुन्दर एवं कल्पनाशील महिला होंगी। कल्पना शक्ति आपकी श्रेष्ठ रहेगी। अधिकांश कार्य आप अपनी बुद्धि से करेंगी। शारीरिक कार्यों में आपकी रुचि कम होगी। चन्द्र प्रभाववश आप अपनी योजनाओं में काट-छांट करने की आदी रहेंगी। इससे आपका कार्य देर से पूर्ण होगा। आपकी कुछ योजनाएं अधर में ही लटक जायेंगी। जिनका आपको पछतावा होगा तथा मानसिक यातना भी होगी।

मन आपका चंचल होने से आप गतिशील रहना पसन्द करेंगी। इस स्वभाव से आप दूर-दूर की यात्राएं करेंगी तथा देश विदेश का भ्रमण करेंगी। एकाध यात्रा तो ऐसी होंगी जो आपका भाग्य बदल देंगी। आत्मविश्वास की आप में कमी रहेगी। इससे कई कार्य आपके समय पर पूर्ण नहीं होंगे। कभी-कभी आप निराशा में डूब जायेंगी और शून्य की भाँति आपको जीवन अंधकारमय लगेगा। लेकिन धैर्य एवं साहस से कुछ समय उपरान्त आप पुनः खोई हुई प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेंगी।



सामाजिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। जनता के मध्य आप लोकप्रिय रहेंगी। इससे आपकी मानसिक स्थिति काफी संतुलित रहेगी। चन्द्र स्वभाव से आपको सर्दी-जुकाम, कफ इत्यादि के रोग यदा-कदा पीड़ित करेंगे। मानसिक ऊर्जा का आप अधिक प्रयोग करेंगी। इस कारण कभी-कभी सिर दर्द, मानसिक तनाव इत्यादि होंगे। वैसे मूलांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल, लोकप्रिय तथा हैसियत वाली महिला होंगी।

Sample

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

Demo

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।



नक्षत्र फल

नक्षत्र, राशि एवं पाया का संबंध चंद्र से है एवं ये आपके स्वभाव, व्यवहार, व्यक्तित्व, चरित्र, योग्यता, भाग्य एवं भविष्य के निर्धारण में महती भूमिका अदा करते हैं।

नक्षत्रफल आपके स्वभाव, व्यक्तित्व, चरित्र, योग्यता, भाग्य एवं भविष्य के संबंध में सटीक फलादेश बताता है। वैदिक अंक ज्योतिष में व्यक्तित्व के बारे में पता करने के लिए जन्म नक्षत्र की सहायता मुख्य रूप से ली जाती है। भारतीय महर्षियों का मानना रहा है कि नक्षत्र में ही हमारे कर्म के फल संचित रहते हैं। नक्षत्र, राशि एवं पाया चंद्र से संबंधित हैं तथा ये हमारे व्यक्तित्व, चरित्र, व्यवहार, योग्यता आदि का चित्रण करते हैं।

नक्षत्रफल

Sample

आप रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्मराशि मीन तथा राशिस्वामी बृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि गज, वर्ण विप्र, गण देव, वर्ग सर्प तथा नाड़ी अन्त्य होगी। नक्षत्र के द्वितीय चरण के अनुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "दो" या "दौ" अक्षर से होगा।

आप नैसर्गिक रूप से एक भद्र महिला होंगी तथा अन्य सामाजिक जनों से आपका व्यवहार मधुर रहेगा। इससे सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। आप जीवन में कभी भी धनैश्वर्य का अभाव महसूस नहीं करेंगी एवं सर्वदा इससे सुसम्पन्न रहकर आनन्दपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी। आप एक संयमशील महिला होंगी जिससे आप अनावश्यक इच्छाओं तथा आकांक्षाओं से भी सुरक्षित रहेंगी। आप में ईमानदारी का गुण विद्यमान रहेगा तथा सभी कार्यों को ईमानदारी से ही सम्पन्न करेंगी। आप की बुद्धि भी निर्मल रहेगी एवं व्यापारादि में शुद्ध मन से लाभ अर्जित करेंगी। साथ ही बुद्धिमता से विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति से युक्त रहकर सुखी रहेंगी।

**चारुशीलविभवो जितेन्द्रियः सद्नानुभवनैकमानसः ।
मानवो ननु भवेन्महामती रेवती भवति यस्य जन्मभम् ।।
जातकाभरणम्**

आप सम्पूर्ण सुन्दर शरीर अंगों से युक्त होंगी एवं इससे आपके सौन्दर्य में विशेष आकर्षण रहेगा। आप समाज के सभी वर्गों में लोक प्रिय रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सम्मान तथा आदर भी अर्जित करेंगी। साथ ही उनको आप हर प्रकार से सहयोग प्रदान करने के लिए भी उद्यत रहेंगी। आप में शौर्य गुण भी रहेंगे तथा नित्य साहसिक एवं पराक्रम संबंधी कार्यों को करने के लिए सर्वथा तत्पर रहेंगी। आप हृदय से शुद्ध रहेंगी एवं अन्य जनों से आपका व्यवहार स्नेह एवं सम्मान से युक्त रहेगा। इसके अतिरिक्त एक धनाढ्य महिला के रूप में भी समाज में आपकी ख्याति रहेगी।

**सम्पूर्णाङ्गः सुभगः शूरः शुचिर्धवान्पौष्णे ।।
बृहज्जातकम्**

आप विभिन्न कार्यों को सम्पन्न करने में दक्ष होंगी तथा अपने सभी महत्वपूर्ण कार्यों को कुशलता पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगी। आप एक विदुषी भी होंगी एवं विभिन्न प्रकार के शास्त्रादि का परिश्रमपूर्वक ज्ञानार्जन करती रहेंगी। इससे समाज में आपकी पूर्ण प्रतिष्ठा रहेगी साथ ही वैभव आदि से भी आप सुसम्पन्न रहेंगी।

**सम्पूर्णाङ्गः शुचिर्दक्षः साधुः शूरो विचक्षणः ।
रेवती सम्भवे लोके धनधान्यैरलंकृतः ।।
मानसागरी**



आपके जानु भाग में कोई चिन्ह या निशान भी हो सकता है। आप सलाह आदि के कार्यों में प्रवीण रहेगी तथा समाज में मान सम्मान प्राप्त करेंगी। साथ ही आप सुन्दर एवं गुणवान पति तथा पुत्रों से भी युक्त रहेंगी। आपकी मित्रता भी गुणवान तथा शिक्षित लोगों से रहेगी। आप दृढ निश्चय से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगी एवं स्थिर लक्ष्मी से युक्त रहकर प्रसन्नता पूर्वक सांसारिक जीवन व्यतीत करेंगी।

**रेवत्या मुरुलांछनोपगतनुः कामातुरः सुन्दरो ।
मंत्री पुत्रकलत्रमित्रसहितो जातः स्थिरः श्रीरतः ।।
जातकपरिजातः**

Demo

आप पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्म राशि मीन तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि सिंह, वर्ण विप्र, गण मनुष्य, वर्ग सर्प तथा नाड़ी आद्य होगी। नक्षत्र के चतुर्थ चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "दि" या "दी" अक्षर से होगा यथा- दिव्या, दीप्ति आदि।

आप एक संयमशील महिला होंगी तथा अपनी इन्द्रियों पर पूर्ण रूप से नियंत्रण रख कर संयमपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी। साथ ही नाना प्रकार के कार्यों को करने तथा कलाओं को सम्पन्न करने में भी आप निपुण रहेंगी। इससे आप समाज में आदरणीया रहेंगी। शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगी एवं वे भी आपसे हमेशा भयभीत रहेंगे तथा आपका विरोध करने में सर्वथा असमर्थ रहेंगे इसके साथ ही आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी एवं आपके समस्त कार्य बुद्धिमता पूर्ण ढंग से सम्पन्न होंगे जिससे आपको जीवन में सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति होगी।

**जितेन्द्रियः सर्वकलासु दक्षो जितारिपक्षः खलु यस्य नित्यम् ।
भवेन्मनीषा सुतरामपूर्वा पूर्वादिका भाद्रपदा प्रसूतौ ।।
जातकाभरणम्**

आप के पति पूर्ण रूप से आपके वश में रहेंगे तथा सांसारिक कार्यों को आपके कथनानुसार ही सम्पन्न करेंगे। इस विषय में स्वतंत्र निर्णय लेने में वे प्रायः असमर्थ ही रहेंगे। आप धन सम्पत्ति से सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगी एवं एक धनवान महिला के रूप में ख्याति अर्जित करेंगी। साथ ही इस धन का जीवन में सुखपूर्वक उपभोग भी करेंगी। आप एक उच्च कोटि की विदुषी भी होंगी एवं नाना प्रकार के शास्त्रों का परिश्रम पूर्वक ज्ञान प्राप्त करेंगी। साथ ही आप एक चतुर महिला भी होंगी। आप में कृपणता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

**भाद्रपदासूद्विग्नः स्त्रीजितधनी पटुरदाता च ।।
बृहज्जातकम्**

आप की वाणी साहसिक तथा ओजस्वी रहेगी अतः अन्य सभी लोग आपकी वाणी से प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे इसके साथ ही आप प्रायः भय से



भी त्रस्त रहेंगी एवं इससे व्याकुल भी रहेंगी। लेकिन समाज में अन्य जनों से आपके परस्पर संबंध अत्यन्त ही मधुर एवं स्नेहशील रहेंगे।

पूर्वप्रोष्ठपदि प्रगल्भवचनो धूर्तोभयार्तो मृदुः ।।

जातक परिजातः

आप एक उच्च कोटि की वक्ता होंगी एवं अपने ओजस्वी वक्तव्यों से समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करने में सफलता प्राप्त करेंगी तथा उनके मध्य लोकप्रिय भी रहेंगी। आपको जीवन में आवश्यक सुखसंसाधन उपलब्ध रहेंगे एवं आनन्द पूर्वक आप इनका उपभोग भी करेंगी। साथ ही आप परिवार से भी युक्त रहेंगी लेकिन आपको नींद अधिक मात्रा में आएगी अतः कभी कभी आप में आलस के भाव की प्रवृत्तता हो जाएगी जिससे आप किसी भी कार्य को करने में असमर्थ रहेंगी या आप प्रमादवश किसी कार्य को करने की इच्छा नहीं रहेंगी।

वक्ता सुखीप्रजायुक्तो बहुनिद्रोनिरर्थकः ।

पूर्वभाद्रपदायां च जातो भवति मानवः ।।

मानसागरी



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

राशिफल

Sample

मीन राशि में उत्पन्न होने के कारण आप का व्यक्तित्व तथा सौन्दर्य आकर्षक रहेगा तथा सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आपका मस्तक विशाल एवं नासिका ऊंची रहेगी। साथ ही आर्य देखने में सुन्दर तथा चित्ताकर्षक रहेंगी। आपके शरीर के सभी अंग सुन्दर सुडौल तथा पुष्टता से युक्त रहेंगे। आपकी कमर भी पतली होगी शिल्प विद्या या चित्रकारी के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप इस क्षेत्र में सफलता तथा यशार्जन कर सकेगी। शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल होंगी तथा वे भी आपसे भयभीत रहेंगे। संगीत के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी तथा इसका ज्ञान प्राप्त करने को भी उत्सुक रहेंगी। विविध प्रकार के शास्त्रों आदि का ज्ञानार्जन करके आप एक विदुषी महिला के रूप में समाज में पूर्ण आदरणीय तथा प्रतिष्ठित रहेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा इसके अनुपालन में भी आप यत्नशील रहेंगी। पुरुष वर्ग में आप अत्यन्त ही प्रिय एवं आदरणीय समझी जाएंगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगी। आपकी वाणी मधुर एवं प्रिय होगी जिससे अन्य लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। जीवन में आप आवश्यक भौतिक सुखों की प्राप्ति करके प्रसन्नता की अनुभूति प्राप्त करेंगी। आप में क्रोध की न्यूनता रहेगी एवं सरकारी सेवा में भी नियुक्त हो सकेंगी। जमीन के अन्दर या खान से उत्पन्न द्रव्यों से आप विशिष्ट लाभार्जन करेंगी। आपके पति हमेशा आपके वश में रहेंगे तथा समस्त सांसारिक कार्यों को आपके अनुसार ही सम्पन्न करेंगे। आप सुशील स्वभाव की महिला होंगी एवं सभी लोगों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। समुद्री जहाज में यात्रा करने या नाव आदि में सैर करके आप अत्यन्त ही प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी एवं इसके लिए नित्य रुचिशील रहेंगी। इसके अतिरिक्त दानशीलता का भाव भी आप में रहेगा तथा जीवन में यत्नपूर्वक यथा शक्ति आप इसका अनुपालन करती रहेंगी।

शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारुदेहो ।

गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी ।।

ईष्टकोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो ।

यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः ।।

सारावली

आप जलोत्पन्न द्रव्यों तथा मोती आदि रत्नों से सुशोभित रहेंगी एवं व्यापार आदि में इनसे इच्छित लाभ प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही आप अपने जीवन काल में किसी अन्य व्यक्ति की धन सम्पत्ति भी प्राप्त कर सकेंगी तथा जीवन में सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। आप सुन्दर तथा नवीन आकर्षक परिधानों के प्रति अत्यन्त ही रुचि शील रहेंगी एवं प्रयत्नपूर्वक इनकी प्राप्ति के लिए सर्वथा उद्यत एवं उत्सुक रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा।

जलपरधनभोक्ता दारवासोळनुरक्तः ।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

समरुचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः ।।
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारुदृष्टिः ।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्यराशौ ।।
बृहज्जातकम्

जल पीने की इच्छा की आप में प्रवृत्तता रहेगी तथा दिन में कई बार इसका उपयोग करेंगी। आपका अपने पति के ऊपर पूर्ण श्रद्धा तथा विश्वास रहेगा एवं उनके आप पूर्ण रूपेण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। फलतः आपका गृहस्थ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। आप में विदुषी के सभी गुण विद्यमान रहेंगे। साथ ही कृतज्ञता की भावना भी आप में रहेगी एवं अन्य व्यक्तियों के उपकृत होने पर उनके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करेंगी। साथ ही आप भाग्यशाली महिला रहेंगी एवं आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भाग्यबल से ही सम्पन्न होंगे।

अत्यम्बुपानः समचारुदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता ।
विद्वान्कृतज्ञो ळमिभवत्यलमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोऽन्यराशौ ।।
फलदीपिका

आप अपने जीवन में संयम का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगी तथा सम्पूर्ण इन्द्रियों को वश में रखने में सफलता प्राप्त करेंगी। आप चतुराई तथा बुद्धिमता से अपने समस्त कार्यों को सम्पन्न करेंगी तथा एक बुद्धिमान तथा चतुर महिला के रूप में सम्मान तथा ख्याति अर्जित करेंगी। जल में क्रीड़ा करना आपको अत्यन्त ही रुचिकर लगेगा तथा इसके लिए आप नित्य यत्नशील रहेंगी। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार के धोखे आदि का सर्वथा अभाव रहेगा। साथ ही शस्त्र चलाने में भी आपकी रुचि रहेगी तथा यदा कदा जीवन में शारीरिक कमजोरी की भी अनुभूति करेंगी।

शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः ।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः ।।
जातकाभरणम्

आप आजीविकार्जन के कार्यों में ही सर्वदा व्यस्त रहेंगी एवं कभी कभी आपके आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होगा। फलतः आपको आर्थिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ेगा। आपका शरीर कान्ति युक्त रहेगा तथा इससे आपके सौन्दर्याकर्षण में नित्य वृद्धि होती रहेगी। पिता से भी आप धन सम्पत्ति प्राप्त करेंगी एवं जीवन में सुख पूर्वक उसका उपभोग करेंगी। साथ ही आप स्वभाव से ही साहसी होंगी तथा साहसिक एवं पराकामी कार्यों को करने के लिए सर्वदा उद्यत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप स्वभाव से सन्तोषी होंगी तथा जो कुछ भी उपलब्ध हो उसी में सन्तुष्ट रहेंगी।

जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोऽप्रशस्तः ।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो डध्यः ।।
अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारुकान्तिः ।



**पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः ।
तुष्टः साहसी कोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः ॥
जातकदीपिका**

आप स्वभाव से गम्भीर रहेंगी तथा शौर्योचित कार्यों को करने में सर्वथा रुचिशील रहेंगी। समाज में आप एक प्रतिष्ठित तथा सम्माननीय रहेंगी एवं लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे लेकिन आप कंजूस प्रवृत्ति से भी युक्त रहेंगी तथा धन संचय के प्रति विशेष रुचिशील रहेंगी। परिवार या कुल में आप सर्वप्रिय रहेंगी। इसके साथ ही सेवाकार्यों को करने में भी आप तत्पर रहेंगी तथा इससे आपको आत्मिक सन्तुष्टि प्राप्त होगी। आप की गमन गति तीव्र रहेगी तथा धीरे धीरे चलना आपको अरुचिकर लगेगा। आपका आचरण भी श्रेष्ठ रहेगा तथा अन्य लोगों के लिए यह अनुकरणीय रहेगा। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग के मध्य आप अत्यन्त ही प्रिय एवं स्नेहशील रहेंगी।

**गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः ।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः ॥
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधर्वकुशलः शुभः ॥
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः ॥
मानसागरी**

इस प्रकार आप अपने आकर्षक व्यक्तित्व तथा विद्वता से समाज के सभी लोगों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा कई अन्य लोगों से भी आपके मधुर तथा मित्रता पूर्ण संबंध रहेंगे।

**मीनस्थे मृगलात्रछने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः ॥
जातक परिजातः**

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी तथा पौर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरण, शुक्रवार चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल दायक रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टिकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, कयविक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्रारम्भ न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही शुक्रवार चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक चिन्ताएं, शरीर में व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में असफलता तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की श्रद्धापूर्वक उपासना करनी चाहिए तथा वृहस्पतिवार के नियमित रूप से उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पीत पुखराज, पीत वस्त्र पीत चन्दन, हल्दी तथा चने की दाल आदि पदार्थों का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इससे आपकी चिन्ताएं दूर होंगी तथा समस्त अशुभ प्रभाव



दूर होकर शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रिक मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी सुयोग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपके महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा मन को शान्ति प्राप्त होगी।

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रो सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ॐ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

Demo

मीन राशि में जन्म होने के कारण आपका शारीरिक सौन्दर्य सुन्दर एवं आकर्षक रहेगा। आपका ललाट विस्तृत तथा नाक ऊंची रहेगी। आपकी आँखें भी अत्यन्त ही सुन्दर होगी एवं उनमें पूर्ण आकर्षण भी विद्यमान रहेगा। आपके शरीर के सभी अंग सुडौल एवं पुष्टता से युक्त रहेंगे। आपकी कमर भी पतली रहेगी। शिल्प या चित्रकारी के प्रति आपकी विशेष रुचि रहेगी एवं परिश्रम पूर्वक इसमें आप सफलता तथा ख्याति भी अर्जित कर सकेंगी। आपके शत्रु हमेशा आपसे भयभीत रहेंगे एवं उनको पराजित करने में आप हमेशा सफल रहेंगी। आप विविध प्रकार के शास्त्रों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगी एवं समाज में एक विदुषी के रूप में आपकी ख्याति रहेगी। साथ ही संगीत शास्त्र के प्रति भी आप की नैसर्गिक रुचि रहेगी। आप धार्मिक कृत्यों का नियम पूर्वक पालन करने के लिए भी सर्वदा तत्पर रहेंगी। पुरुष वर्ग में भी आप लोकप्रिय एवं आदरणीय रहेंगी। आप अपने सम्भाषण में मधुर वाणी का भी उपयोग करेंगी तथा जीवन में सम्पूर्ण सुख संसाधनों से युक्त रहकर सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगी। क्रोध का भाव आप में अल्प रूप में ही रहेगा जिसका यदा कदा आप प्रदर्शन करती रहेंगी। आप राजकीय सेवा को भी प्राप्त करेंगी तथा खान से उत्पन्न द्रव्यों से आप आजीविकार्जन तथा धन लाभ अर्जित करेंगी। आपके पति पूर्ण रूप से आपके वश में रहेंगे एवं आपके कथनानुसार ही आवश्यक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आपका स्वभाव सुन्दर एवं मैत्रीपूर्ण रहेगा अतः सभी लोगों से आपके अच्छे संबंध रहेंगे। आप समुद्री जहाज या नाव आदि की सैर करने में भी रुचि रखेंगी तथा इससे प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त आप में दानशीलता की भावना भी विद्यमान रहेगी तथा जीवन में यथाशक्ति इस प्रवृत्ति का अनुपालन भी करती रहेंगी।

शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारुदेहो।
गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी।।
ईष्टकोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो।
यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः।।
सारावली

आप जल या समुद्र में पाए जाने वाले मोती, शंख तथा अन्य रत्नों से धनार्जन करने में भी सक्षम रहेंगी। इसके साथ ही आपको जीवन में किसी अन्य व्यक्ति संबंधी या मित्र की धन सम्पत्ति भी प्राप्त होगी एवं सुखपूर्वक आप इसका उपभोग करेंगी। सुन्दर वस्त्रों को पहनने की आपके मन में तीव्र लालसा रहेगी एवं इसको प्राप्त करने के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपकी शारीरिक कद की ऊँचाई भी मध्यम रहेगी।



जलपरधनभोक्ता दारवासोऽनुरक्तः ।
समरुचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः ॥
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारुदृष्टिः ।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्यराशौ ॥
बृहज्जातकम्

आप जल पीने की बार बार इच्छा प्रदर्शित करती रहेंगी। आपका अपने पति के प्रति पूर्ण आदर तथा विश्वास रहेगा एवं उनसे आप पूर्ण सन्तुष्टि प्राप्त करेंगी। आप में उच्च कोटि के विदुषियों के गुण भी विद्यमान रहेंगे। साथ ही आप अन्य जनों के उपकार को स्वीकार करेंगी एवं उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता का भाव प्रकट करेंगी। अतः अन्य लोग आपके सद्गुणों से प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित आदर सत्कार प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी एवं जीवन में कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भाग्यबल से ही सफलता अर्जित करेंगी।

अत्यम्बुपानः समचारुदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता ।
विद्वान्कृतज्ञो ऽमिभवत्यऽमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोऽन्यराशौ ॥
फलदीपिका

आप इन्द्रियों पर नियंत्रण करने में पूर्ण रूप से समर्थ रहेंगी तथा संयमपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी। इसके अतिरिक्त कई प्रकार के अच्छे गुणों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगी एवं उनका पालन करने में भी तत्पर रहेंगी। आप एक चतुर तथा बुद्धिमान महिला होंगी एवं अपने सभी महत्वपूर्ण कार्यों को चतुराई तथा बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगी। साथ ही जलकीड़ा करने में आप अत्यन्त ही आनन्द की अनुभूति प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि सरल एवं स्वच्छ रहेगी एवं इसमें छल या प्रपंच का सर्वथा अभाव रहेगा।

शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः ।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः ॥
जातकाभरणम्

आप हमेशा उदर भरण के कार्यों में ही अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी एवं कभी कभी आपके लाभमार्गों में भी रुकावट आएगी जिसमें आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपकी शारीरिक कान्ति अत्यन्त ही दर्शनीय रहेगी अतः इससे आपके सौन्दर्य एवं आकर्षण में निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। पिता से प्राप्त धन से आप युक्त रहेंगी एवं प्रसन्नतापूर्वक इसका अपने जीवन काल में उपभोग भी करेंगी। आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहसिक एवं शौर्य युक्त कार्यों को करने के लिए सर्वदा उद्यत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मन में सन्तुष्टि का भाव भी विद्यमान रहेगा एवं जो कुछ भी आप के पास उपलब्ध हो उसी पर सन्तोष करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोऽप्रशस्तः ।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो डध्यः ॥



अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारुकान्तिः ।
पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः ।
तुष्टः साहसी क्रोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः ॥
जातकदीपिका

आप गम्भीर प्रवृत्ति की महिला होंगी तथा शौर्यादि गुणों से हमेशा सुसम्पन्न रहेंगी। आपका समाज के कभी वर्गों में पूर्ण प्रभुत्व भी स्थापित रहेगा एवं सभी लोग आपको गणमान्य समझकर आपका सम्मान करेंगे। लेकिन आप में कंजूसी का भाव भी रहेगा। अतः धन संचय के प्रति आपकी विशेष रूप से प्रवृत्ति रहेगी। आप एक गुणवती महिला होंगी एवं अपने कुल या परिवार में प्रिय एवं श्रेष्ठ समझी जाएंगी। साथ ही सेवा कार्यों में भी आपकी अभिरुचि रहेगी तथा नित्य सेवा कार्यों के लिए तत्पर एवं उद्यत रहेंगी। आपकी गमन गति तीव्र रहेगी एवं आचरण भी श्रेष्ठ रहेगा जो अन्य जनों के लिए प्रशंसनीय तथा अनुकरणनीय रहेगा इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग से आप पूर्ण स्नेह तथा सम्मान भी अर्जित करेंगी।

गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः ।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः ॥
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधर्वकुशलः शुभः ॥
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः ॥
मानसागरी

आप अत्यन्त ही आकर्षक व्यक्तित्व की महिला होंगी तथा विभिन्न प्रकार के शास्त्रों में पारंगत रहेंगी।

मीनस्थे मृगलात्रछने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः ॥
जातक परिजातः

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी तथा पौर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरण, शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा सदैव अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टिकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर एवं कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी सावधानी रखनी चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्ति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की श्रद्धापूर्वक उपासना करनी चाहिए तथा नियमित रूप से वृहस्पतिवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पीत पुखराज, पीत वस्त्र, हल्दी, पीत चन्दन, चने की दाल आदि पदार्थों का किसी सुपात्र को दान करना चाहिए इसके साथ ही वृहस्पति के तांत्रिय मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी योग्य विद्वान द्वारा सम्पन्न करवाने



चाहिए। इससे आपकी मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी एवं अन्यत्र सर्वप्रकार से शुभ फलों की वृद्धि होकर लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रो सः वृस्पतये नमः।

मंत्र- ॐ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पाया विचार

Sample

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ है। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा। अपितु अधिकांश शुभ ही रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु भी अल्प मात्रा में ही रहेंगे वे सभी आपसे पराजित तथा प्रभावित रहेंगे। कभी कभी आप स्वाभाविक रूप से क्रोध या उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगी। आप सुन्दर एवं आकर्षक महिला होंगी तथा शरीर में लावण्यता पूर्ण रूपेण विद्यमान रहेगी। जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कभी कभी आप अल्प मात्रा में शारीरिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी।

Demo

आप स्वर्ण पाद में पैदा हुई हैं। स्वर्ण पाद में पैदा होने के कारण जातक कई प्रकार से जीवन में दुःख एवं कष्ट प्राप्त करता है तथा इसमें उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता एवं धनाभाव से भी नित्य दुःखी रहता है। साथ ही जीवन में उसे सुखसंसाधनों की भी अल्पता रहती है। जिससे उसके मन में नित्य तनाव व्याप्त रहता है। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में उसे अत्याधिक परिश्रम के द्वारा ही सफलता अर्जित हो सकती है। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभ वर्ग में स्थित है। अतः इससे आपको अशुभ फल अल्प तथा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे।

अतः आप जीवन में सम्पूर्ण सुखसंसाधनों से युक्त रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। साथ ही धन ऐश्वर्य एवं नौकर चाकरों से भी आप सम्पन्न रहेंगी। आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा एक धनवान महिला के रूप में समाज में ख्याति अर्जित करेंगी। सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। आप विभिन्न प्रकार के वाहनादि से भी सुशोभित रहेंगी। आप हमेशा सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। आपके पति तथा पुत्र भी सुन्दर गुणवान एवं सम्मानित रहेंगे। साथ ही सेवक गण भी गुणसम्पन्न होंगे। आपकी आयु दीर्घायु होगी तथा आपके लिए लाभमार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त पुत्रादि सुख को आप प्राप्त करने में भी सौभाग्यशाली रहेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

गण फलादेश

Sample

देव गण में उत्पन्न होने के कारण आपकी वाणी प्रिय तथा मधुर होगी जिससे अन्य लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। आप सरल बुद्धि की स्वामिनी होंगी तथा सब कुछ सरलता से ग्रहण करने की प्रतिभा से आप सम्पन्न रहेंगी। आप को अल्प मात्रा में शुद्ध एवं सात्विक भोजन करना प्रियकर लगेगा। अन्य जनों के गुणों की आप ज्ञाता रहेंगी तथा अच्छे बुरे की पहचान करने में सर्वथा सफल रहेंगी। इसके साथ ही आप स्वयं भी श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा प्रतिपादित उत्तमगुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप अतुल धन सम्पत्ति की भी स्वामिनी होगी तथा जीवन में सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च ।

जायते सुरगणे डण्डः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः ।।

जातकाभरणम्

आप देखने में सुन्दर तथा आकर्षक रहेंगी तथा दान शीलता की प्रवृत्ति से आप सुशोभित रहेंगी। आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। साथ ही आप सादगी पसन्द भी रहेंगी एवं अनावश्यक दिखावे की प्रयत्नपूर्वक उपेक्षा ही करेंगी। इसके साथ ही आप एक महान विदुषी होगी तथा समाज में पूर्ण प्रतिष्ठित जीवन यापन करेंगी।

सुन्दरो दानशीलश्च कान्तिमान सरलः सदा ।

अल्प भोगी महाप्रज्ञो नरो देवगणो भवेत् ।।

मानसागरी

Demo

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आप धार्मिक प्रवृत्ति से युक्त महिला रहेंगी एवं देवता तथा ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा का भाव रहेगा। लेकिन कभी कभी आप अपनी अभिमानी प्रवृत्ति का भी अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करेंगी आप के मन में दया का भाव भी रहेगा एवं दीन दुखियों के प्रति आप अवसरानुकूल अपनी इस प्रवृत्ति का भी पालन करती रहेंगी। आप में शारीरिक बल पूर्ण रूप से विद्यमान रहेगा तथा आपके अधिकांश कार्य स्वभुजबल से ही सम्पन्न होंगे। आप कई प्रकार की कलाओं तथा कार्यों को करने में भी निपुण रहेंगी एवं समाज में पूर्ण रूप से आदरणीय रहेंगी। साथ ही आपकी शारीरिक कान्ति भी सुन्दर एवं दर्शनीय रहेगी इसके अतिरिक्त आप परिवार के साथ ही अन्य कई व्यक्तियों को भी सुख प्रदान करने वाली होंगी।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः ।

प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः ।।

जातकाभरणम्



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आप समाज में सर्वदा आदरणीया एवं सम्माननीया रहेंगी तथा धनैश्वर्य से सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगी एवं सुखपूर्वक इसका उपभोग भी करेंगी। आपकी आखें बड़ी होंगी तथा निशाने बाजी की कला में आप अत्यन्त ही निपुण रहेंगी एवं इसमें विशेष योग्यता तथा यश भी प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त समाज के सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

धनीमानी विशालाक्षो लक्ष्यभेदी धनुर्धरः।
गौरः पौरजन ग्राही जायते मानवे गणे।।
मानसागरी



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

योनी फलादेश

Sample

गजयोनि में उत्पन्न होने के कारण आप उच्चाधिकारियों के मध्य प्रिय एवं आदरणीय रहेंगी एवं इनसे आपके मित्रता पूर्ण घनिष्ठ संबंध रहेंगे फलतः आपके महत्वपूर्ण कार्य सुगमता पूर्वक होते रहेंगे। आप एक बलशाली महिला होंगी तथा अपने अधिकांश कार्यों को स्वबल से ही सम्पन्न करेंगी। आप कई प्रकार के सुखसंसाधनों से भी युक्त रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आप किसी उच्चाधिकारी की सहयोगी या स्वयं भी एक उच्चाधिकार प्राप्त पद को सुशोभित कर सकती हैं। आप एक उत्साही महिला होंगी तथा अपने सभी कार्यों को पूणोत्साह की भावना से सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगी।

**राजमान्यो बली भोगी भूपस्थान विभूषणः ।
आत्मोत्साही नरो जातः गजयोनौ न संशयः । ।
मानसागरी**

Demo

सिंह योनि में उत्पन्न होने के कारण आप पूर्ण रूप से धार्मिक प्रवृत्ति की महिला होंगी एवं सदैव धार्मिक प्रवृत्तियों का नियमपूर्वक अनुपालन करती रहेंगी। आप सत्कार्यों को करने के लिए हमेशा रुचिशील रहेगी एवं प्रयत्नपूर्वक इनको सम्पन्न करेंगी जिससे अन्य लोग भी आपके कार्यों से लाभान्वित होंगे। आप एक सत्वगुण सम्पन्न महिला होंगी एवं इनके अनुपालन में सर्वदा तत्पर रहेंगी एवं समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त परिवारिक समृद्धि तथा उन्नति के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी एवं इसकी उन्नति में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा जिससे सभी परिवारिक जन आपको विशिष्ट सम्मान प्रदान करेंगे।

**स्वधर्मे तु सदाचारसत्क्रियासद्गुणान्वितः ।
कुटुम्बस्य समुद्धर्ता सिंहयोनिभवो नरः । ।
मानसागरी**



ग्रह फल

ग्रह फल स्पष्ट रूप से आपकी कुंडली में प्रत्येक ग्रह की भूमिका को निर्दिष्ट करता है।

इस खंड में प्रत्येक ग्रह के विभिन्न भावों/राशियों में स्थिति के अनुसार फल दिए गए हैं। यह स्पष्ट रूप से बताता है कि आपकी कुंडली में किस ग्रह का भावानुसार/राश्यानुसार क्या फल होंगे। जब आप हर ग्रह की भूमिका के बारे में जान जाएंगे तो आपको उनके वास्तविक बात को भी अंदाजा हो जाएगा। इसके अलावा आप अपने कमजोर बिंदुओं को भी जानने में सक्षम हो पाएंगे। यह सूचना आपको भविष्य की योजना बनाने में मदद करेगी तथा आप यह निर्धारित कर पाएंगे कि किस दिशा में आपका भविष्य उज्ज्वल है।

लग्न फल

Sample

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।

Demo

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्ज्वल भविष्य का द्योतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त



सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त हैं, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगी। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करती हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नहीं चाहती हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करती हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक है।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगी। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नहीं होंगी। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहती हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता है क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद की साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति की प्राणी होंगी। आपका ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यो द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगा। आपके पति की स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगी। वर्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाती हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगी। आयु वृद्धि के साथ-साथ आप गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर की सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। अस्तु इस



तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह फल - सूर्य

Sample

ग्यारहवें भाव में सूर्य हो तो जातक धनी, बलवान्, सुखी, स्वाभिमानी, तपस्वी, मितभाषी, सदाचारी, योगी, अल्पसन्तति एवं उदररोगी होता है।

सिंह राशि में रवि हो तो जातक सत्संगी पुरुषार्थी, योगाभ्यासी, वनविहारी, क्रोधी, गम्भीर, उत्साही, तेजस्वी एवं धैर्यशाली होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य एकादश भाव में स्थित है अतः पिता की आप हमेशा प्रिय रहेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन समय समय पर मध्यम रूप से वे शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं इसका उनके पास अभाव नहीं रहेगा। साथ ही जीवन में आपको हर प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके आय स्रोतों की वृद्धि करने एवं उनमें उन्नति प्राप्त करने के लिए वे आपको पूर्ण आर्थिक सहयोग तथा निर्देश भी प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रखेंगी एवं उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध अच्छे होंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी विद्यमान रहेंगे। जीवन में आप उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करती रहेगी एवं सुख दुःख में उनकी सेवा भी करती रहेंगी।

Demo

लग्न (प्रथम) में सूर्य हो तो जातक स्वाभिमानी, चंचल, कृशदेही, प्रवासी उन्नत नासिका, विशाल ललाटवाला, पित्त-वातरोगी, शूरवीर, अस्थिर सम्पत्तिवाला एवं अल्पकेशी होता है।

वृष राशि में रवि हो तो जातक शान्त, व्यवहार कुशल, पाप भीरु, स्वाभिमानी मुखरोगी एवं स्त्रीद्वेषी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति प्रथम भाव में स्थित है। अतः आपके पिता का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं उनकी आयु भी दीर्घ होगी। आपके प्रति उनके हृदय में वात्सल्य भाव रहेगा तथा जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही आप जीवन में पिता के द्वारा यश अर्जित करने में भी सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त पिता के द्वारा आपके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान भी रखा जाएगा।

आप भी उनके प्रति हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगी तथा उनकी सेवा एवं आज्ञा पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथापि यदा कदा अल्प मात्रा में सैद्धान्तिक मतभेद विद्यमान रहेंगे जिससे यदा कदा विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। साथ ही आप जीवन में उन्हें अपना पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह फल - चन्द्र

Sample

षष्ठभाव में चन्द्रमा हो तो जातक अल्पायु, आसक्त, कफरोगी, खर्चीले स्वभाववाला, नेत्ररोगी एवं भृत्यप्रिय होता है।

मीन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक शिल्पकार, सुदेही, शास्त्रज्ञ, धार्मिक, अतिकामी और प्रसन्न मुख वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठभाव में स्थित है। अतः आप माता की प्रिय रहेंगी उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से वे दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको पूर्ण रूप से हर सम्भव सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। इसके साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में यदि कोई व्यवधान आएं तो उन्हें दूर करने में सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी तथा आपकी सफलता की सर्वदा इच्छुक होंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा तथा सम्मान की भावना रखेंगी तथा हमेशा उनकी सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगी परन्तु आपके मध्य कभी कभी मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे अप्रिय स्थितियां भी उत्पन्न होंगी लेकिन फिर भी सामान्य संबंध मधुर ही रहेंगे। साथ ही उनको जीवन में वांछित सहायता एवं सहयोग प्रदान करने की भी आप इच्छुक रहेंगी।

Demo

ग्यारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक गुणी, चंचलबुद्धि, सन्तति और सम्पत्ति से युक्त, सुखी, यशस्वी, लोकप्रिय, दीर्घायु, मन्त्रज्ञ, परदेशप्रिय एवं राज्यकार्यदक्ष होता है।

मीन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक शिल्पकार, सुदेही, शास्त्रज्ञ, धार्मिक, अतिकामी और प्रसन्न मुख वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा एकादश भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव भी विद्यमान रहेगा। जीवन में वे प्रत्येक क्षेत्र में आपका यत्नपूर्वक पूर्ण सहयोग करती रहेंगी। आपके आर्थिक साधनों की अभिवृद्धि में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। साथ ही मातृपक्ष से भी आप पूर्ण आर्थिक लाभ एवं अन्य प्रकार से सुखार्जन करेंगी।

आप की भी माता के प्रति हादिक श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेंगी एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए भी आप प्रायः तत्पर रहेंगी। जीवन में आप हर प्रकार से उनकी सहायता एवं सहयोग भी करेंगी तथा अवसरानुकूल उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा आपसी मतभेद अत्यन्त ही अल्प मात्रा में रहेंगे।



ग्रह फल - मंगल

Sample

छटेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, कोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

मीन राशि में मंगल हो तो जातक गौवरवर्ण, कामुक, आज्ञाकारी गन्दा, अस्थिर जीवन, रोगी, प्रवासी, मान्त्रीक, बन्धु-द्वेषी, नास्तिक, हठी, धूर्त और वाचाल होता है।

आपके जन्म समय में मंगल छटे भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों की आप प्रिय रहेंगी एवं उनसे सम्मान एवं स्नेह की नित्य आपको प्राप्ति होती रहेगी। उनका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति होती रहेगी। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको अपनी ओर से आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। सुख दुःख में वे पूर्ण रूपेण आपके साथ रहेंगे एवं शत्रु वर्ग से आपकी यत्नपूर्वक सुरक्षा करेंगे।

आपका भी उनके प्रति हार्दिक प्रेम रहेगा एवं उनके कल्याण संबंधी कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण अल्प मात्रा में कटुता का भी आभास होगा लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उनको पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करके अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगी।

Demo

दसवें भाव में मंगल हो तो जातक कुलदीपक, स्वाभिमानी, सन्तति कष्टवाला, धनवान्, सुखी, उत्तम-वाहनों से सुखी एवं यशस्वी होता है।

कुम्भ राशि में मंगल हो तो जातक व्यसनी, लोभी, सट्टे से धननाशक, आचारहीन, मत्सरवृत्ति एवं बुद्धिहीन होता है।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति दशम भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा उनमें शारीरिक दुर्बलता भी परिलक्षित होगी। आपके प्रति उनके मन में स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा एवं धन सम्पत्ति से भी वे युक्त रहेंगे एवं जीवन के समस्त महत्वपूर्ण कार्य की सिद्धि में आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी वे आपके साथ रहेंगे। तथा नौकरी या व्यापारादि में आपका सहयोग करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति स्नेह का भाव रहेगा एवं आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। लेकिन कभी कभी आपसी मतभेदों के कारण इसमें कटुता भी आएगी लेकिन यह अल्प समय तक रहेगी। साथ ही आप उनकी आजीविका संबंधी कार्यों में यथाशक्ति आर्थिक तथा



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अन्य प्रकार से सहायता प्रदान करती रहेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह फल - बुध

Sample

बारहवें भाव में बुध हो तो जातक अल्पभाषी, विद्वान्, आलसी धर्मात्मा, वकील, सुन्दर, वेदान्ती, लेखक, दानी एवं शास्त्रज्ञ होता है।

कन्या राशि में बुध हो तो जातक वक्ता, कवि, साहित्यिक, लेखक, सम्पादक, ज्योतिषी, खगोलशास्त्री, गणितज्ञ, अध्यापक, उदार, सुखी एवं अच्छा चरित्र वाला होता है।

Demo

बारहवें भाव में बुध हो तो जातक अल्पभाषी, विद्वान्, आलसी धर्मात्मा, वकील, सुन्दर, वेदान्ती, लेखक, दानी एवं शास्त्रज्ञ होता है।

मेष राशि में बुध हो तो जातक चतुर, प्रेमी, सत्यप्रिय, नट, रतिप्रिय कृशदेही, लेखक, ऋणी, मिलनसार, अविश्वस्त एवं बुरे विचार वाला होता है।

ग्रह फल - गुरु

Sample

अष्टमभाव में गुरु हो तो जातक दीर्घायु, नम्रव्यवहार, लेखक, सुखी, शान्त, मधुरभाषी, विवेकी, ग्रन्थकार, कुलदीपक, ज्योतिषप्रेमी, मित्रों द्वारा धननाशक, गुप्तरोगी एवं लोभी होता है।

वृष राशि में गुरु हो तो जातक पुष्टशरीर वाला, सदाचारी, धनवान्, आस्तिक, चिकित्सक, विद्वान, बुद्धिमान्, जीवन में स्थिरता, दृढ़विचार, दिखावा करने वाला एवं कामुक होता है।

Demo

द्वितीयभाव में गुरु हो तो जातक मधुरभाषी, सम्पत्ति और सन्ततिवान्, सुन्दरशरीर, सदाचारी, पुण्यात्मा, सुकार्यरत, लोकमान्य, राज्यमान्य, व्यवसायी, दीर्घायु, शत्रुनाशक एवं भाग्यवान् होता है।

मिथुन राशि में गुरु हो तो जातक योग्य वक्ता, सुगठित शरीर, लम्बाकद, उदार, विद्वान, कई भाषाओं का जानने वाला, अनायास धनप्राप्त करने वाला, लोकमान्य, लेखक एवं व्यवहार कुशल होता है।

ग्रह फल - शुक्र

Sample

नवम भाव में शुक्र हो तो जातक धर्मात्मा, राजप्रिय, पवित्रतीर्थ यात्राओं का कर्ता, दयालु, प्रेमी, गृहसुखी, गुणी, चतुर एवं आस्तिक होता है।

मिथुन राशि में शुक्र हो तो जातक कवि, साहित्यिक, चित्रकला निपुण, साहित्यिक स्रष्टा, प्रेमी, सज्जन, लोकहितैषी धनी, उदार, सम्मानित, कुशाबुद्धि, विद्वान् एवं परस्त्रियों में रुचि रखने वाला होता है।

Demo

ग्यारहवें भाव में शुक्र हो तो जातक परोपकारी, लोकप्रिय, जौहरी, विलासी, वाहनसुखी, स्थिरलक्ष्मीवान्, धनवान् गुणज्ञ, कामी एवं पुत्रवान् होता है।

मीन राशि में शुक्र हो तो जातक जौहरी, शिल्पज्ञ, जमीन्दार, अच्छा और हास परिहास का स्वभाव, विद्वान्, लोकप्रिय, शान्त, धनी, कार्यदक्ष, कृषिकर्म का मर्मज्ञ, शिष्ट और सभ्य सम्मानित एवं आराम तलब होता है।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह फल - शनि

Sample

तृतीय भाव में शनि हो तो जातक नीरोगी, विद्वान् योगी, मल्ल, शीघ्रकार्यकर्ता, सभाचतुर, चंचल, भाग्यवान्, शत्रुहन्ता, एवं विवेकी होता है।

धनु राशि में शनि हो तो जातक व्यवहारज्ञ, पुत्र की कीर्ति से प्रसिद्ध सदाचारी, वृद्धावस्था में सुखी, सक्रिय, चतुर शान्तिप्रिय, दुःखी विवाहित जीवन एवं धनी होता है।

Demo

नवम भाव में शनि हो तो जातक धर्मात्मा, साहसी, प्रवासी, कृशदेही, भीरु, भ्रातृहीन, शत्रुनाशक रोगी वातरोगी, भ्रमणशील एवं वाचाल होता है।

मकर राशि में शनि हो तो जातक कुशा बुद्धि, परिश्रमी, आस्तिक भोगी, मिथ्याभाषी, शिल्पकार, प्रवासी, अच्छा घरेलू जीवन, विद्वान्, सन्देह करनेवाला, बदला लेने वाला एवं दार्शनिक होता है।

ग्रह फल - राहु

Sample

पंचम भाव में राहु हो तो जातक शास्त्रप्रिय, कार्यकर्ता, भाग्यवान्, उदररोगी, मतिमन्द, कुल धननाशक, धनहीन, नीतिदक्ष एवं सन्तान के लिए अशुभ होता है।

कुम्भ राशि में राहु हो तो जातक विद्वान्, लेखक मितभाषी एवं मितव्ययी होता है।

Demo

नवम भाव में राहु हो तो जातक प्रवासी, वातरोगी, व्यर्थ परिश्रमी, दुष्टबुद्धि, भाग्योदय से रहित, तीर्थाटनशील एवं धर्मात्मा होता है।

मकर राशि में राहु हो तो जातक मितव्ययी, कुटुम्बहीन एव दाँत रोगी होता है।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

ग्रह फल - केतु

Sample

ग्यारहवें भाव में केतु हो तो जातक बुद्धिहीन, निजका हानिकर्ता, अरिष्टनाशक एवं वातरोगी होता है।

सिंह राशि में केतु हो तो जातक बहुभाषी, डरपोक, असहिष्णु, सर्पदशन का भय एवं असन्तोषी होता है।

Demo

तृतीय भाव में केतु हो तो जातक चंचल, वायुजनित रोगों से पीड़ित, भाई बहन विहीन, धनी, व्यर्थवादी एवं भूतप्रेतभक्त होता है।

कर्क राशि में केतु हो तो जातक वातविकारी, भूतप्रेत पीड़ित एवं दुःखी होता है।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

भावफल

पूर्ण कालपुरुष 12 भावों में विभाजित है। ज्योतिष में प्रत्येक भाव जीवन के विशेष पहलू को दर्शाता है।

प्रत्येक जन्मकुंडली 12 भावों में विभाजित है तथा प्रत्येक भाव से जीवन के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, आधुनिक, धन, सम्पत्ति, आजीविका, शिक्षा, आय, सामाजिक जीवन, माता-पिता, रिपु, विवाह एवं व्यय आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। भाव फल में तीन महत्वपूर्ण तथ्य निहित हैं यथा- भावस्थिति, भावेश एवं भाव के कारक। इस खंड में आपको प्रत्येक भाव से संबंधित कारकत्व के फल जानने में सहायता मिलेगी। कुंडली के अनुसार निर्दिष्ट शुभ समय में अच्छे फल की प्राप्ति होती है तो दूसरी ओर अशुभ समय में जातक कष्ट, पीड़ा तथा समस्याओं का सामना करता है।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

Sample

आपके जन्म समय में लग्न में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया तुला लग्न में उत्पन्न जातक सुन्दर स्वस्थ एवं दर्शनीय होते हैं तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होता है जिससे अन्य लोग उनसे प्रभावित रहते हैं। इनकी प्रवृत्ति हास्य प्रिय होती है तथा बच्चों के प्रति इनके मन में प्रबल स्नेह का भाव विद्यमान रहता है। सुन्दर दृश्यों एवं वस्तुओं के प्रति भी इनमें आकर्षण रहता है। स्वभाविक रूप से ये अन्य जनों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं देते हैं तथा सबके साथ समानता का व्यवहार करते हैं जिससे समाज में ये सम्मानित प्रतिष्ठित तथा प्रसिद्ध रहते हैं। कला के प्रति इनका भावनात्मक लगाव रहता है तथा अच्छे कार्यों से ये अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। नीति ज्ञान में ये चतुर होते हैं अतः राजनीति के क्षेत्र में इनको नेतृत्व प्राप्त हो जाता है परन्तु इनका कोई निश्चित सिद्धांत नहीं होता तथा समयानुसार ये परिवर्तन करते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक सौष्ठव एवं व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगी। आपके प्रवृत्ति हास्यप्रिय होगी तथा गम्भीरता आपको विशेष अच्छी नहीं लगेगी। बच्चों के प्रति आपके मन में स्नेह का भाव रहेगा तथा प्राकृतिक दृश्यों के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा। साथ ही कला से आपका भावनात्मक सम्बन्ध रहेगा।

आप सभी लोगों से समानता का व्यवहार करेंगी तथा आपके मन में किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं रहेगा अपने कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव रहेगा तथा आपके अधिकारी एवं सहयोगी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आप किसी नवीन सिद्धांत या ग्रन्थ आदि की भी रचना कर सकते हैं जिससे आपको यश की प्राप्ति होगी।

लग्न में लग्नेश शुक्र की राशि के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक शांति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा बुद्धिमता से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। आपके प्रवृत्ति विलासी होगी तथा भौतिकता के प्रति अत्यधिक आकर्षण रहेगा जिससे आपकी प्रवृत्ति काफी व्ययशील होगी। आपके प्रवृत्ति भ्रमण प्रिय होगी तथा यात्रा आदि भी समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। कला एवं संगीत में आप निपुण होंगी तथा कार्य करने में अत्यंत ही दक्ष होंगी।

आप में सहनशीलता का भाव विद्यमान होगा तथा धैर्यपूर्वक कार्यों को सम्पन्न करके उनमें सफलता की प्रतीक्षा करने में समर्थ होंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको समय समय पर धनार्जन होता रहेगा। आप में शारीरिक बल की भी प्रचुरता रहेगी फलतः परिश्रम एवं पराक्रम का प्रदर्शन करके आप जीवन में मनोवांछित सफलताओं को अर्जित करेंगी जिससे समाज में आपका प्रभाव रहेगा तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। साथ ही यश



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कृत्यों को नियमपूर्वक सम्पन्न करेंगी। जिससे आपको मानसिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय रहेंगी तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा।

Demo

आपके जन्म समय में प्रथम भाव में वृष राशि उत्पन्न हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया वृष लग्न में उत्पन्न जातक धैर्यवान एवं सहिष्णु होते हैं तथा वाणी में भी मधुरता होती है। शारीरिक रूप से वे स्वस्थ रहते हैं तथा परिश्रम करने की उनमें अपूर्व क्षमता रहती है तथा इसी परिश्रम के द्वारा वे जीवन में सफल रहते हैं तथा समस्त भौतिक सुखों का उपभोग करने में समर्थ होते हैं। स्वभाव से वे प्रायः शांति प्रिय होते हैं परन्तु साहस एवं पराक्रम से युक्त रह कर अपने कार्यों को सफल बनाते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक शांति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आप की वाणी मधुर होगी तथा अन्य जनों को स्ववाक्चातुर्य से प्रभावित करने में समर्थ होंगी। आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा तथा स्वभाव में उदारता एवं सहिष्णुता का भाव विद्यमान रहेगा। फलतः आपके सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे समाज में आपके मान प्रतिष्ठा तथा प्रसिद्धि रहेगी तथा लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगी। यदि आप नौकरी या कोई कार्य नहीं करती है तो उपरोक्त योग आपके पति पर घटित होंगे।

आप एक परिश्रमी महिला होंगी तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से जीवन में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगी। अतः अपने सद्गुणों के द्वारा आप अपने श्रेष्ठ जनों को प्रसन्न करने में सफल होंगी। आप एक विदुषी महिला होंगी तथा कला एवं साहित्य के प्रति आपके मन में रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इस क्षेत्र में सफलता एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी। साथ ही जीवन में समस्त सुखैश्वर्य एवं वैभव को अर्जित करके आनंद पूर्वक इसका उपभोग करेंगी।

लग्न में सूर्य की स्थिति के प्रभाव से आप स्वाभिमानी महिला होंगी तथा स्वपरिश्रम योग्यता एवं पराक्रम से जीवन में उन्नतिमार्ग पर अग्रसर रहेंगी। आप में यदा कदा तेजस्विता का भाव भी उत्पन्न होगा तथा उत्साह भी नित्य बना रहेगा। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा तथा अन्य जनों को आकर्षित करने में समर्थ रहेंगी। आप एक व्यवहार कुशल महिला होंगी तथा अपनी चतुराई एवं कौशल से अपने महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में समर्थ रहेंगी। आप की बुद्धि भी तीव्र होगी तथा आपके कार्यों पर बुद्धिमता की स्पष्ट छाप रहेगी।

धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा होगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। पति एवं पुत्र से जीवन में आपको इच्छित सुख एवं



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

सहयोग की प्राप्ति होगी। यदा कदा सूर्य के प्रभाव से आप में क्रोध का भाव भी उत्पन्न होगा परन्तु उसमें नियंत्रण रखने में समर्थ होंगी। जीवन में आप अपने अथक परिश्रम पराक्रम एवं उत्साह के द्वारा समाज तथा सामाजिक जनों के मध्य प्रतिष्ठा तथा उन्नति प्राप्त करेंगी तथा किसी उच्च पद पर भी आपके नियुक्ति हो सकती है जिससे सर्वत्र आपका प्रभाव बना रहेगा।

इस प्रकार आप स्वस्थ परिश्रमी पराक्रमी तथा शांत स्वभाव के महिला होंगी तथा जीवन में इच्छित धनैश्वर्य वैभव एवं सुख संसाधनों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी।



धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Sample

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हुई है जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में स्व प्रयत्न एवं परिश्रम से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही पैतृक सम्पत्ति भी आपको अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी परन्तु बहुमूल्य रत्न एवं धातुओं को अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। आप भूमि या जायदाद संबंधी कय विकय या संबंधित कार्यों से भी लाभ अर्जित कर सकती हैं। साथ ही कृषि या बागवानी संबंधी कार्यों में भी आपकी रुचि रहेगी। आप एक महत्वांकाक्षी महिला होंगी तथा जीवन में परिवार के सहयोग से इच्छित उन्नति एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी लेकिन विषम परिस्थितियों का सामना करने में आप स्वयं असमर्थ समझेंगी।

पारिवारिक जनों की प्रसन्नता तथा सुविधा के लिए सुख संसाधनों के लिए आप सतत प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही उनकी सन्तुष्टि के लिए अधिक मात्रा में व्यय भी करेंगी। आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी तर्क पूर्ण बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी तथा अधिकांश लोग आपसे सहमत भी रहेंगे। मिष्ठान की आप प्रिय रहेंगी तथा रुचि पूर्वक इसका भक्षण करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी परन्तु प्रौढ़ावस्था में आप नेत्र संबंधी कष्ट प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक परंपराओं का आप पूर्ण पालन करेंगी तथा शुभ एवं मंगल कार्यों को समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त सज्जन लोगों के प्रति आपके मन में हमेशा आदर का भाव बना रहेगा।

Demo

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह करने की रहेगी तथा वर्तमान एवं भविष्य के प्रति हमेशा चिन्तित रहेंगी फलतः धन संग्रह सामान्यतया आपके पास रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। साथ ही आप जायदाद आदि पर पूंजी निवेश करेंगी जिससे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी उत्तम रहेगी तथा आनन्द पूर्वक पारिवारिक जनों के साथ अपना समय व्यतीत करेंगी। इसके साथ ही उनकी खुशी तथा खुशहाली के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी तथा पारिवारिक जन भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।

सामान्यतया आपको सभी स्वाद प्रिय होंगे परन्तु मिष्ठान के प्रति आपकी विशेष रुचि रहेगी। चूंकि यह भाव वाणी का प्रतिनिधित्व करता है तथा बुध इसका स्वामी है अतः आपकी वाणी मृदु तथा प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी मृदुवाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही अपने विचारों को भी कुशलता पूर्वक अभिव्यक्त करेंगी यदि आप यह समझते हैं कि यह विचार अवसर के अनुकूल नहीं है तो आप उसे शीघ्र ही परिवर्तन करने में कोई विलम्ब नहीं करेंगी। आतिथ्य सत्कार की भावना भी आपके मन में रहेगी। इसके अतिरिक्त



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पुरुष वर्ग से आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा तथा वाहन एवं बहुमूल्य धातु या रत्नों की भी उपलब्धि होगी। साथ ही धार्मिक या सज्जन लोगों से आप सामान्यतया मित्रता की इच्छुक रहेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

Sample

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति उत्तम रहेगी तथा दीर्घ काल तक स्मृति बनी रहेगी जिससे सामाजिक तथा अन्य क्षेत्र में आपको शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। भाई बहिनों से भी आप युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको उनका पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी सुख सुविधाओं के प्रति चिंतित रहेंगी तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी। वे सभी आज्ञाकारी कर्तव्य परायण तथा विश्वास पात्र रहेंगे अतः उनकी गलतियों की भी आप उपेक्षा करेंगी। सत्य के प्रति आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहेंगी चाहे इससे कोई परेशानी या समस्याएं क्यों न उत्पन्न हो। साथ ही स्पष्टवादिता का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा।

आप एक साहसी तथा पराकमी महिला होंगी तथा नेतृत्व के गुण भी आप में विद्यमान रहेंगे। आप किसी भी मनुष्य या वस्तु के गुणावगुणों को परखकर उसके बारे में अपनी राय प्रदान करेंगी। आप सद् विचारों की महिला होंगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में आस्था रहेगी। आधुनिक संचार साधनों से भी आप युक्त रहेंगी तथा सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। इसमें टेलीफोन टेलीविजन या वाहन आदि की प्रमुखता रहेगी। संगीत एवं हस्त कला के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी तथा यदा कदा इससे भी अपना मनोरंजन करेंगी। आपके लिए समीपस्थ स्थानों की यात्राएं लाभदायक एवं ख्याति प्रदान करने वाली होंगी। साथ ही आपकी अध्ययन में रुचि होगी तथा धार्मिक ग्रन्थ वैज्ञानिक या साहित्यिक पुस्तकों का आप अध्ययन करेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी संस्था की पदाधिकारी या उच्चाधिकारी होंगी तथा दीन दुःखियों के प्रति दयालु रहेंगी जिससे समाज में आदरणीया समझी जाएंगी।

Demo

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। अतः इसके प्रभाव से भाई बहिनों के प्रति आप उदार तथा भावुक रहेंगी एवं उनके साथ सहानुभूति का व्यवहार करेंगी। आप उनसे अत्यन्त ही स्नेह भाव रखेंगी तथा उनकी सुख सुविधा के लिए पूर्ण रूप से प्रयत्नशील रहेंगी परन्तु उनसे आपको यथोचित मान सम्मान अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। कभी कभी परिस्थिति के अनुकूल आप अत्यंत ही साहस एवं पराक्रम का प्रदर्शन भी करेंगी। आप एक बुद्धिजीवी महिला होंगी तथा नैतिकता के प्रति पूर्ण सजग रहेंगी। साथ ही समयानुसार अपने विचारों में भी परिवर्तन करती रहेगी। आपकी स्मरण शक्ति भी तीव्र रहेगी तथा ऐतिहासिक घटनाओं को पूर्ण रूप से याद रखेंगी। इसके अतिरिक्त आप में क्रोध के भाव की भी क्षणिकता रहेगी तथा शीघ्र ही शान्त भी हो जाएंगी।

जीवन में आप एक कर्तव्य परायण महिला होंगी तथा यत्नपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण करेंगी। साथ ही नवीन ज्ञान या अन्य विषयों को शीघ्र ही सीखने में समर्थ



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रहेगी। दर्शन शास्त्र या उच्च शिक्षा के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी। सामाजिक जनों के प्रति आपका सेवा भाव रहेगा अतः इससे आपको ख्याति तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। आप किसी भी उद्देश्य को कार्य रूप में परिवर्तित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने में भी समर्थ रहेंगी। अतः यदा कदा आपको समूह का नेतृत्व भी मिल सकता है। साथ ही समाज सेवा या नवीन खोज आदि से भी आप ख्याति अर्जित कर सकती हैं। आधुनिक संचार साधनों की सुख सुविधाएं भी आपको प्राप्त होगी अतः टेलीफोन, दूरदर्शन तथा वाहन आदि से युक्त रहेंगी। साथ ही प्रकाशन संपादक या संवाददाता के रूप में भी आप सफल हो सकती हैं। इस प्रकार परिश्रम पूर्वक आप अपने घर एवं परिवार का पालन करेंगी। साथ ही आपकी प्रवृत्ति धार्मिक रहेगी तथा शील स्वभाव भी उत्तम रहेगा।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Sample

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आप समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों को प्राप्त करने में समर्थ होंगी। आपको आधुनिक सुख-संसाधनों की भी प्राप्ति होगी जिसका सुखपूर्वक उपभोग करेंगी। आप एक समृद्ध एवं वैभवशाली महिला होंगी तथा समाज में आदरणीय महिला मानी जाएँगी।

आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा चल एवं अचल सम्पत्ति से युक्त होकर उसके स्वामित्व को प्राप्त करेंगी। विवाह के बाद पति के प्रभाव या सहयोग से भी आपको वांछित चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। इससे आपकी समृद्धि में वृद्धि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आपको समय समय पर धन सम्पत्ति की प्राप्ति होती रहेगी। आप चल एवं अचल दोनों प्रकार की सम्पत्ति से युक्त होंगी। अतः इन पर आप इच्छित निवेश कर सकती हैं।

जीवन में आपको उत्तम घर की प्राप्ति होगी तथा यह विस्तृत क्षेत्र में होगा तथा आधुनिक सुख-सुविधाओं एवं उपकरणों से सुसज्जित रहेगा। आप भी व्यक्तिगत रूप से इसके आकर्षण एवं सुन्दरता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील होंगी। आपका घर किसी समृद्ध कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे एवं आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त उत्तम वाहन से भी आप युक्त होंगी तथा इनकी संख्या एक से अधिक भी हो सकती है।

आपकी माताजी सुन्दर, शिक्षित, बुद्धिमान एवं आधुनिक विचारों की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक व्यवहार कुशल महिला होंगी तथा पारिवारिक सदस्यों का ध्यान से लालन पालन करेंगी जिससे सभी लोग उनको वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको वांछित आर्थिक एवं नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आपकी उन्नति में भी उनका मुख्य योगदान होगा। आप भी उनके प्रति श्रद्धा एवं आज्ञाकारिता का भाव रखेंगी तथा सुख-दुःख में उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी इससे आपसी संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में आपकी प्रारंभ से ही रुचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आप छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक लेकर परीक्षाएं उत्तीर्ण करेंगी। स्नातक परीक्षा भी आप संतोष जनक रूप से उत्तीर्ण करेंगी। इससे आपके मन में उत्साह के भाव में वृद्धि होगी तथा भविष्य में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए स्वयं को तैयार करेंगी। स्वजनों एवं संबंधियों से भी आप वांछित आदर, स्नेह एवं प्रोत्साहन प्राप्त करेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

Demo

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों एवं आधुनिक विलासमय वस्तुओं से युक्त होंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगी। शुक्र के प्रभाव से युवावस्था से ही आपको सुख-संसाधनों की उपलब्धि हो जायेगी तथा इसके लिए विशेष परिश्रम भी कम ही करना पड़ेगा।

जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगी। आपको प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा विवाह के बाद इसमें काफी वृद्धि होगी। चल सम्पत्ति की उपेक्षा अचल सम्पत्ति की आपके पास बहुलता होगी जिससे जमीन जायदाद तथा मकान प्रमुख होंगे। साथ ही समस्त आधुनिक भौतिक एवं विलासमय उपकरणों से आप सम्पन्न होंगी तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

उत्तम निवास स्थान के विषय में आप सौभाग्यशाली महिला समझी जाएंगी। आपका घर उत्तम एवं आधुनिक स्थान में होगा तथा सर्व प्रकार से यह आकर्षक एवं सुसज्जित रहेगा। आप भी इसकी सुन्दरता एवं सफाई का पूर्ण ध्यान रहेंगी। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे तथा आपसी संबंध अच्छे रहेंगे। आपकी कुंडली में उत्तम वाहन के भी योग बनते हैं जिसका आप युवावस्था से ही उपयोग करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

आपकी माता जी सुन्दर सुसंस्कृत एवं मृदुस्वभाव की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक चतुर एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी चतुराई एवं व्यवहार कुशलता से परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण करेंगी एवं किसी भी सदस्य को उनसे कोई परेशानी नहीं होगी। आपके प्रति उनके हृदय में विशेष वात्सल्य एवं स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको प्रचुर मात्रा में आर्थिक सहयोग की भी प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रहेंगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगी। इसके अतिरिक्त सुख-दुख में उनको अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी। इस प्रकार आपसी संबंध भी मधुर होंगे।

अध्ययन के प्रति वचन से ही आपकी रुचि होगी तथा बुद्धिमान एवं परिश्रमशील होने के कारण प्रारंभ से ही अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक समस्याओं एवं बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा आसानी से उत्तीर्ण करेंगी तथा इससे आप की आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी फलतः जीवन में इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगी। सामाजिक जनों एवं संबंधियों में भी आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगे। इससे आपको प्रोत्साहन मिलेगा जिससे भविष्य उज्ज्वल होगा।



प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Sample

आपके जन्म समय में पंचमभाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा राहु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी बुद्धिमता से समस्त सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी तथा उनमें आपको वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। लेकिन राहु के प्रभाव से आप में अवसरानुकूल शीघ्र सटीक निर्णय लेने की क्षमता अल्प होगी जिससे यदा-कदा अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन में आपकी रुचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक विषयों, विज्ञान एवं पाश्चात्य भाषा में आपकी पूर्ण रुचि होगी तथा यत्नपूर्वक उनके ज्ञानार्जन में रुचिशील होंगी तथा एक विदुषी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित करने में समर्थ होंगी।

राहु की पंचम भावास्थ स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में आपकी रुचि होगी तथा मनोरंजन एवं दिल बहलाव के लिए आप ऐसे सम्बन्धों को स्थापित करेंगी। लेकिन आपको इन प्रेम-प्रसंगों में मर्यादा एवं नैतिकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वैसे आप प्रेम सम्बन्धों में आदर्शवादिता का भी प्रदर्शन कर सकती हैं।

संतति भाव में राहु के प्रभाव से आपको पुत्र संतति की प्राप्ति अवश्य होगी। आपकी संतति तेजस्वी, पराक्रमी एवं बुद्धिमान होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में सामान्य आदर का भाव होगा परन्तु वे अपने ही मन की करने वाले होंगे। अतः यदा-कदा माता-पिता की आज्ञा की अवहेलना भी कर सकते हैं। वे अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को भी स्वेच्छा से ही करेंगे तथा इसमें माता-पिता की सलाह कम ही लेंगे। लेकिन आपको इसकी चिन्ता कम ही करनी चाहिए तथा उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य करने देना चाहिए इससे परस्पर सदभाव एवं विश्वास बना रहेगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चे आपकी उपेक्षा कर सकते हैं ऐसी स्थिति में अपने लिए वांछित धन अर्जित करके रखना चाहिए जिससे अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

अध्ययन के क्षेत्र में आपकी सन्तति सामान्य रूप से उन्नति शील होगी तथा परिश्रम पूर्वक वे सफलताएं अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप भी उनकी शिक्षा का उत्तम प्रबन्ध करेंगी तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगी। आपके बच्चे तेजस्वी एवं पराक्रमी होंगे तथा यदा-कदा अन्य जनों से वे वाद-विवाद भी कर सकते हैं। इससे आपके लिए यद्यपि अनावश्यक परेशानी होगी परन्तु अपने सद्व्यवहार से आप स्थिति संभालने में समर्थ होंगे। इस प्रकार संतति से सुख आपके लिए सामान्य ही होगा।

Demo



आपके जन्मसमय में पंचमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा आपके सांसारिक एवं अन्य कार्य कलाओं पर बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित होंगी। आप कठिन से कठिन कार्य को आसानी से पूर्ण करने में भी समर्थ होंगी। यद्यपि वैदिक धर्म एवं दर्शन शास्त्रों में आपकी रुचि अल्प होगी परंतु आधुनिक साहित्य कविता एवं कला में आप पूर्ण रुचि रखेंगे। पाश्चात्य कला, संगीत एवं साहित्य के विशेष प्रेमी होंगी तथा इन क्षेत्रों में आप अपनी बुद्धिमता, योग्यता एवं परिश्रम से ज्ञान अर्जित करके समाज में अपने प्रभुत्व को स्थापित करने में समर्थ होंगी। फलतः आपका सम्मान एवं विद्वता का प्रभाव समाज में बना रहेगा।

कन्या राशि की पंचम भाव में स्थिति के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में आप अधिक लिप्त रहेंगी तथा अधिकांश प्रसंग आप मनोरंजन या मानसिक सन्तुष्टि के लिए स्थापित करेंगी। आपके प्रेम प्रसंग में आदर्श, यथार्थवाद एवं मर्यादा की भी कमी होगी। फलतः ऐसे क्षेत्र में आप अपने लिए अनावश्यक परेशानियां एवं अशान्ति उत्पन्न कर सकती हैं तथा वैवाहिक जीवन पर भी दुष्प्रभाव हो सकता है। अतः ऐसे प्रसंगों की यत्नपूर्वक उपेक्षा ही करनी चाहिए तभी आप सुखी रह सकती हैं।

पंचमभाव में बुध की राशि के प्रभाव से जीवन में आपको यथोचित समय पर सन्तति की प्राप्ति होगी आपकी संतति बुद्धिमान एवं गुणवान होगी परंतु वे स्वाभिमानी प्रवृत्ति के होंगे। माता पिता का कहना भी मानेंगे एवं एक दूसरे के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव भी रखेंगे। वे व्यावहारिक बुद्धि के स्वामी होंगे फलतः जीविकार्जन एवं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ रहेंगे। सुख दुख में माता पिता का ध्यान रखेंगे जिससे आपको मानसिक शान्ति की प्राप्ति होगी

अध्ययन के प्रति बच्चों की रुचि सामान्य होगी तथापि परिश्रम पूर्वक वे वांछित शिक्षा अर्जित करने में समर्थ होंगे। यद्यपि किसी मान्यता प्राप्त प्रशासनिक या अन्य क्षेत्रों में वे परिश्रम एवं पराक्रम से ही प्रवेश कर सकेंगे परंतु वाणिज्य क्षेत्र में योग्य सिद्ध होंगी तथा इसी से अपने जीवन में ऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करेंगी। अतः इनके लिए आपको अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथापि अपने लिए आपको पूर्ण धन संचय करके रखना चाहिए जेकि आपके सुख दुख के समय काम आएगा तथा बच्चों को स्वावलंबी छोड़ देना चाहिए एवं उनके कार्यों में दखल नहीं देना चाहिए। इससे आप तथा वे शान्ति एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।



रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

Sample

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है अतः इसके प्रभाव से आपको जीवन में किसी उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति से विरोध का सामना करना पड़ेगा साथ ही अन्य शत्रु भी मान सम्मान में न्यूनता करने के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे जिससे सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव में न्यूनता आएगी। आपके सेवक भी आपके लिए आज्ञाकारी तथा विश्वास पात्र रहेंगे तथा ईमानदारी से आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे। यदि आप उनको उचित पारिश्रमिक प्रदान नहीं करेंगी तो वे घर में किसी प्रकार की चोरी आदि भी कर सकते हैं अतः ऐसी समस्याओं का निराकरण पहले से ही कर लेना चाहिए।

आपकी प्रवृत्ति अधिक से अधिक धन संग्रह करने की रहेगी। साथ ही कई प्रकार से पूंजीनिवेश भी करेंगी परन्तु इसमें हानि की अवस्था में ऋण आदि भी ले सकती है लेकिन कर्जदाता आपसे विशेष सहयोग नहीं करेंगे तथा विलम्ब की अवस्था में आपके मान सम्मान में न्यूनता कर सकते हैं। अतः धन व्यय या पूंजीनिवेश अच्छे कार्यों में करके आपको बुद्धिमता एवं सतर्कता का परिचय देना चाहिए। इसके साथ ही अवसरनुकूल बन्धुवर्ग या अन्य संबन्धी भी आर्थिक मामलों में आपको हानि प्रदान कर सकते हैं। अतः सोच समझकर किसी भी कार्य को प्रारंभ करना चाहिए।

जीवन में सम्बन्धियों या अन्य जनों से मुकद्दमे बाजी का भी संकेत मिलता है। इसका संबंध आर्थिक जमीन जायदाद या फौजदारी मामलों से हो सकता है। साथ ही यदा कदा जीवन में दाम्पत्य जीवन की मधुरता में न्यूनता आ सकती है। मामा मामी से आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे तथा परस्पर सहयोग के भाव में न्यूनता ही रहेगी। शारीरिक स्वस्थता बनाए रखने के लिए उचित खान पान का प्रयोग करें। जब भी आपको अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा तब आप गुप्त कार्यों, तंत्र मंत्र या अन्य कार्यों से शान्ति एवं सफलता अर्जित करेंगी।

Demo

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगी तथा किसी भी प्रकार के कष्ट को सहन करने की शक्ति आप में विद्यमान रहेगी। लेकिन यदा कदा बुखार या अन्य रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति कर सकती है। आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि आप में रोग अवरोधक तत्वों की कमी रहेगी जिससे एक बार बीमार पड़ने पर काफी समय बाद ही आप स्वस्थ हो पाएंगी। इसके अतिरिक्त भावुकता भरे क्षणों में आपको कोई महत्वपूर्ण या संवेदनशील कार्य नहीं करना चाहिए।

आपका शत्रु या विरोध पक्ष पर्याप्त होगा तथा आपके सम्मान में कमी करने के



लिए नित्य प्रयत्नशील रहेगा। क्योंकि वे आपकी खुशहाली के प्रति ईर्ष्या का भाव रखेंगे। साथ ही मित्र, संबन्धी एवं पड़ोसी भी यदा कदा आपके विरोध करने में तत्परता का प्रदर्शन करेंगे। अतः प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष शत्रुओं के प्रति आपको हमेशा सतर्क रहना चाहिए। यद्यपि मुकद्दमे आदि में आपको कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी परन्तु धन संबन्धी मामलों में आप कोई मुकद्दमा दायर कर सकती हैं यद्यपि इसमें आपका काफी धन व्यय होगा परन्तु किंचित परिश्रम के उपरांत आपको सफलता भी मिल सकती है।

सेवक वर्ग आपके लिए विशेष विश्वास पात्र तथा ईमानदार नहीं रहेंगे तथा इनसे समय समय पर आपको आर्थिक या अन्य प्रकार से हानि का सामना करना पड़ेगा। साथ ही पारिवारिक रहस्यों का भेद खोलकर भी वे आपकी मान हानि कर सकते हैं। आप स्वच्छन्द प्रवृत्ति की महिला होंगी तथा इसी के अनुसार अपने अधिकाँश कार्यों को सम्पन्न करेंगी। यद्यपि आपके पास धनऐश्वर्य पूर्ण होगा परन्तु आपातकाल के लिए संग्रह करने में असमर्थ रहेंगी फलतः ऋण आदि लेने की आवश्यकता पड़ेगी। इसके साथ ही मामा मामी आदि से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। खान पान के प्रति भी आपको सतर्क रहना चाहिए अन्यथा वृद्धावस्था में वात या गुर्दे से संबन्धित परेशानी हो सकती है। यद्यपि आप एक धन मान सम्मान से युक्त महिला होंगी परन्तु कई बार आपके अच्छे कार्यों से भी समाज में शत्रुता का भाव बन सकता है। अतः सचेत रहें।



परिवार, विवाह एवं साझेदार

Sample

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है सामान्यतया मेष राशि की सप्तम स्थिति से जातक का सहयोगी तेजस्वी उत्साही पराक्रमी एवं धनाढ्य होता है। वृश्चिक राशि के प्रभाव से वह आधुनिक विचार धाराओं से युक्त, सुन्दर एवं कला प्रेमी होता है एवं स्वभाव में भी विनम्रता एवं सुशीलता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति विनम्र स्वभाव के व्यक्ति होंगे। आधुनिकता के भावों की उनमें प्रबलता होगी तथा भौतिक सुख संसाधनों एवं उपकरणों की प्रति विशेष रुचि होगी। अपने संभाषण में वह मधुर शब्दों का उपयोग करेंगे। शुक्र के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता भी होगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे।

आपके पति सुंदर एवं आकर्षक वर्ण की दर्शनीय व्यक्ति होंगे तथा उनका कद भी मध्यम रहेगा उनका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा शरीर में पुष्टता रहेगी जिससे उनके व्यक्तित्व में निखार आएगा। वह सुंदर तथा आकर्षक परिधानों से सुसज्जित रहेंगे तथा संगीत एवं कला के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह बंधु वर्ग या संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा तथा सप्तम भाव में मेष राशि की स्थिति के प्रभाव से आप प्रेम विवाह भी कर सकती हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में प्रबल आकर्षण तथा प्रेम की भावना रहेगी। सांसारिक महत्व के कार्यों को परस्पर सहयोग एवं सहमति से सम्पन्न करेंगी। इससे समानता तथा विश्वसनीयता के भाव में वृद्धि होगी। आप दोनों शिक्षित व्यक्ति होंगे तथा जीवन में सिद्धांतों में भी समानता रहेगी फलतः आपसी संबंधों में मधुरता के कारण जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका ससुराल किसी समृद्ध परिवार में होगा तथा सामाजिक रूप से भी उनकी प्रतिष्ठा बनी रहेगी। सास ससुर से आपके अच्छे संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण स्नेह की प्राप्ति होगी। आप भी उन्हें यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त उनसे नैतिक सहयोग भी मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति का पूर्ण श्रद्धा एवं सेवा का भाव रहेगा एवं सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे। साले एवं सालियों को भी अपने सद्व्यवहार एवं मधुर वाणी से प्रसन्न रखेंगे तथा उनसे वांछित सम्मान मिलेगा।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी। यदि मित्रवर्ग से साझेदारी की जाये तो आपको विशिष्ट उपलब्धियां मिलेंगी तथा आपस में विश्वसनीयता का भाव भी बना रहेगा।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

Demo

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। सामान्यतया सप्तम भाव में जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी पित प्रकृति धनवान एवं अधिक व्ययशील होता है। परन्तु नैसर्गिक शुभ ग्रह एवं जलतत्व युक्त शुक्र के प्रभाव से जातक सुशील संगीत एवं कला प्रिय मधुर भाषी तथा आधुनिक विचारों से युक्त होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति सुशील स्वभाव से युक्त बुद्धिमान एवं गुणवान व्यक्ति होंगे तथा आधुनिकता के प्रति विशेष आकर्षित रहेंगे। उनमें चंचलता का भाव भी होगा एवं प्रवृत्ति भ्रमण प्रिय होगी। सांसारिक कार्य कलापों में वह दक्ष होंगे। वह एक शिक्षित व्यक्ति होंगे तथा आधुनिक तथा पाश्चात्य शास्त्रों में विशेष रुचि रखेंगे। वह कर्तव्य परायण एवं मधुर बोलने वाले होंगे जिससे पारिवारिक एवं सामाजिक लोग उनसे प्रभावित रहेंगे।

आपके पति गौरवर्ण के सुंदर एवं आकर्षक व्यक्ति होंगे तथा उनका सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा उनका कद भी सामान्य होगा परन्तु शारीरिक संरचना स्वस्थ सुडौल एवं पुष्ट रहेंगे। वृश्चिक राशि में जल तत्व की प्रधानता के कारण उनमें स्थूलता भी आ सकती है अतः पहले से ही व्यायाम या योगादि द्वारा इसे नियंत्रित करना चाहिए। सौन्दर्य के प्रति वह हमेशा आकर्षित रहेंगे तथा सुंदर वस्तुओं संगीत एवं कला के प्रति समर्पित होंगे।

आपका विवाह विज्ञापन या किसी बंधु वर्ग के द्वारा सम्पन्न होगा। सप्तम भाव में वृश्चिक राशि के प्रभाव से प्रेम विवाह की भी प्रबल संभावना रहती है। विवाह के बाद आप एक दूसरे के प्रति समर्पित रहेंगे तथा सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः आपके संबंधों में मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी उच्च एवं प्रभावशाली परिवार में होगा तथा आर्थिक रूप से भी उनकी स्थिति सुदृढ़ होगी। फलतः विवाह के समय आपको मायके से प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। सास ससुर से भी आपके संबंधों में मधुरता रहेगी एवं उनको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगी। वे भी आपको पुत्रीवत स्नेह देंगे। साथ ही मायके से आर्थिक एवं नैतिक सहयोग अवसरानुकूल मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति सेवा एवं श्रद्धा का भाव रखेंगे तथा उनकी सुख सुविधा का ध्यान रखकर उन्हें अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही अपने सद्व्यवहार एवं मृदुवाणी से साले एवं सालियों से भी यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

व्यापार में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी एवं इससे आपके लाभ एवं उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे।



आयु, दुर्घटना एवं बीमा

Sample

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से आप में आध्यात्मिक शक्ति विद्यमान रहेगी। साथ ही ज्योतिष एवं तंत्र मंत्र आदि पर भी आपका विश्वास रहेगा तथा न्यूनाधिक रूप से इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकती हैं। आपके अन्दर सक्रियता के भाव की हमेशा प्रबलता रहेगी तथा प्रतिभा से सुसम्पन्न रहेगी। अतः आप कोई भी सृजनात्मक कार्य दूसरों की अपेक्षा आसानी से कर लेंगी। आप मित्र या बन्धुवर्ग से जायदाद की भी प्राप्ति कर सकती हैं। साथ ही पैतृक सम्पत्ति भी आपको प्राप्त होगी। इस प्रकार चल अचल सम्पत्ति की स्वामिनी बनकर समाज में इच्छित मान सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी रहेगा तथा ससुराल पक्ष के लोग धनवान एवं सर्वप्रकार के गुणों से परिपूर्ण रहेंगे जिससे आपको कोई भी परेशानी नहीं होगी। आपकी प्रवृत्ति पार्टियों को भी आयोजित करने की रहेगी जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता होगी। बीमा आदि करके भी आपको इच्छित लाभ हो सकता है अतः अवसरानुकूल आपको बीमा अवश्य करवाना चाहिए। साथ ही आपके घर में चोरी आदि की कोई बड़ी घटना नहीं होगी तथापि अपनी बहुमूल्य वस्तुओं को पहले से ही किसी सुरक्षित स्थान में रख लेना चाहिए। दुर्घटना आदि के योग भी सामान्यतया अल्प रहेंगे तथा अपनी सतर्कता से इन घटनाओं से सुरक्षित रहने में सफलता प्राप्त करेंगी तथापि आपको तीव्र गति से वाहन आदि नहीं चलाना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपकी आयु अच्छी रहेगी तथा जीवन में आनन्द एवं सुख का उपभोग करने में समर्थ रहेंगी।

Demo

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप आध्यात्म, ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति श्रद्धा का भाव रखेंगी तथा आपका इस पर पूर्ण विश्वास रहेगा। आपको इन विषयों का न्यूनाधिक ज्ञान भी हो सकता है। साथ ही मनोविज्ञान के क्षेत्र में भी आप कुछ न कुछ कार्य अवश्य सम्पन्न करेंगी। पैतृक सम्पत्ति आपको मिलेगी लेकिन वह अल्प मात्रा में ही होगी तथा उसका उपभोग भी अच्छी तरह से करने में असमर्थ रहेंगी। आपके बन्धु या संबन्धी भी उस जायदाद पर अपना अधिकार प्रस्तुत कर सकते हैं जिससे परस्पर अनावश्यक विवादों से आपसी संबंधों में कटुता का वातावरण बनेगा। अतः पारिवारिक कलह की भी संभावना रहेगी। अतः इससे आपको प्रसन्नता की अपेक्षा अप्रसन्नता ही अधिक प्राप्त होगी।

आपका दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा तथापि यदा कदा आर्थिक कमी से परेशानियां हो सकती हैं लेकिन आप स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से उसे दूर करने में समर्थ रहेंगी। बीमा आदि कराने से आपके लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे तथा इससे आपको समय समय पर लाभ होता रहेगा



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अतः बीमा अवश्य करवाएं वह अपना या किसी भी वस्तु का हो सकता है। यद्यपि आपकी कुंडली में कोई दुर्घटना या चोरी आदि का कोई योग नहीं है तथापि इस बारे में आपको सतर्क रहना चाहिए लेकिन इससे कोई विशेष हानि नहीं होगी आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा जीवन में स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा इच्छित सुख संसाधनों को अर्जित करके अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

Sample

आपके जन्म समय में नवम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला होंगी तथा पैतृक एवं पारिवारिक नियमों के अनुसार अपने धर्म के अनुपालन में तत्पर रहेंगी। ईश्वर की सत्ता में आपका पूर्ण विश्वास रहेगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति के लिए हमेशा यत्नशील रहेंगी। आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा भाग्यबल से इच्छित धनऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त अवसरानुकूल तीर्थ यात्रा करने की भी इच्छुक रहेंगी।

विभिन्न धार्मिक ग्रंथों का आप रुचि पूर्वक अध्ययन करेंगी तथा ध्यान योग, तंत्र मंत्र तथा ज्योतिष आदि में भी आपका विश्वास रहेगा एवं न्यूनाधिक रूप से इनका ज्ञान अर्जित करने में भी रुचिशील रहेंगी। यदि आप अपनी दृढ़ संकल्पता में वृद्धि कर सकें तो अपनी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति के द्वारा आप पूर्वाभास तथा भविष्य वाणी करने में सफलता अर्जित कर सकती हैं।

आपकी दैनिक पूजा जीवन में आपको ऐश्वर्य प्रदान करने के लिए आत्मबल प्रदान करेंगी परन्तु यदा कदा मानसिक असन्तुलन के कारण आपको व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा। साथ ही पूजा कार्य में भी समय समय पर व्यवधान उत्पन्न होंगे। व्यावसायिक रूप से की गई लम्बी यात्राओं से आपको लाभ यश तथा समाज में मान सम्मान में वृद्धि होगी। इससे जीवन में स्थायित्व आएगा तथा धनवैभव की भी वृद्धि होगी। आप एक प्रसिद्ध बुद्धिमान तथा विदुषी महिला होंगी तथा अपनी योजनाओं को बिना किसी रुकावट के सम्पन्न करेंगी। प्रथम पौत्र से आपको अत्यधिक सुख एवं प्रसन्नता प्राप्त होगी। साथ ही जीवन में अन्यत्र भी शुभ एवं पुण्य कार्य करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप धर्मात्मा, सौभाग्यशाली, अतिथि सत्कार करने वाली तथा दीन दुःखियों पर कृपा करने वाली होंगी। तथा परोपकार संबंधी कार्य करने में भी तत्पर रहेंगी।

Demo

आपके जन्म समय में नवम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है अतः इसके प्रभाव से यद्यपि आप धर्म या धार्मिक कार्य कलापों का विरोध नहीं करेंगी परन्तु इसमें स्वयं भी कोई विशेष रुचि नहीं लेंगी तथा स्वेच्छा से किसी धार्मिक ग्रंथ का अध्ययन नहीं करेंगी लेकिन ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण विश्वास रहेगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप व्रतादि भी सम्पन्न कर सकती है साथ ही दैनिक पूजा पाठ में न्यूनाधिक समय प्रदान करेंगी या इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए किसी पूजा स्थल पर जाएंगी। आप धार्मिक कार्य कलापों पर विशेष व्यय करना उचित नहीं समझती। लेकिन अन्य विषयों में उच्च शिक्षा अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। धर्म एवं भाग्य को अपनी विचार धारा में कम ही सम्मिलित करेंगी अर्थात् कार्य पर अधिक विश्वास करेंगी। आपकी अर्न्तप्रज्ञा भी विकसित रहेगी तथा मन में



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आत्मा को स्वीकार करेंगी।

आपके विचार में जीवन कार्य प्रधान होना चाहिए तथा भाग्य इसमें सहायक होना चाहिए। अतः अन्य जनों को हमेशा कर्म करने की शिक्षा प्रदान करेंगी तथा भाग्य पर अल्प विश्वास करने को कहेंगी। परन्तु प्रौढ़ावस्था में स्वयं कर्म की अपेक्षा भाग्य को विशेष महत्व प्रदान करेंगी। आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अल्प मात्रा में ही होगी तथा इनसे आपको जीवन में विशेष लाभ भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा लेकिन समाज में आप एक सम्मानित तथा ख्याति प्राप्त महिला के रूप में सम्माननीया रहेगी। आप अपने पूर्व जन्मों के कर्मों के फल को युवावस्था के बाद प्राप्त करेंगी तथा इस समय सुखी रहेंगी लेकिन वृद्धावस्था में किंचित परेशानी हो सकती है। साथ ही पौत्रादि से भी इच्छित सुख एवं सहयोग मध्यम रूप से ही प्राप्त होगा तथापि आप सामान्यतया सन्तुष्टि की ही अनुभूति करेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Sample

आपके जन्म समय में दशम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्र है। कर्क राशि जलतत्व प्रधान है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा समय समय पर आप इसमें परिवर्तन करने के इच्छुक होंगी एवं ऐसे तात्कालिक परिवर्तनों से आप को लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी। साथ ही आप मानसिक रूप से भी सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए जलविभाग, वस्त्र उत्पादन फैक्टरी, स्टेनोग्राफर, कैमिकल्स, कार्यालय सहायक, सचिव, जलसेना, जहाजरानी विभाग अनुकूल रहेंगे। इन विभागों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता मिलेगी तथा मानसिक रूप से भी आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए जलोत्पन्न पदार्थों यथा शंख, मोती, प्रवाल, मछली का व्यापार, मिट्टी के खिलौने, ईट, वालू आदि के कार्य, वास्तुकला, आलंकारिक वस्तुओं का व्यापार, द्रव्य पदार्थों यथा दूध, दही, घी आदि के कार्य से लाभ होगा। साथ ही रेशमी एवं मूल्यवान वस्त्रों के व्यापार या आयात निर्यात से भी इच्छित उन्नति एवं लाभ की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापार की इच्छुक हो तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार आरंभ करें। इससे आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा लाभ स्रोतों में भी वृद्धि होगी।

जीवन में आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा किसी सम्मानित एवं उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में समर्थ होंगी। समाज में आप एक प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि भी व्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक धार्मिक सांस्कृतिक या शैक्षणिक संस्था के पदाधिकारी भी हो सकती हैं जिससे आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आपके पिता बुद्धिमान, शिक्षित तथा मृदुस्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा उनकी प्रवृत्ति भी शान्ति प्रिय होगी। साथ ही उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा एवं सभी लोग उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न होंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी उच्च शिक्षा का वे समुचित व्यवस्था करेंगे। आपकी कार्यक्षेत्र की उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान होगा तथा उनके प्रभाव से आपको इसमें यथोचित सम्मान एवं आदर की प्राप्ति होगी। साथ ही आप भी अपने उत्तम कार्य कलापों से पिता के सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगी। इसके अतिरिक्त आपके आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं वैचारिक तथा सैद्धान्तिक रूप से समानता होगी। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

Demo



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपके जन्मसमय में दशम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। साथ ही मंगल भी कुम्भराशि में ही दशमभाव में स्थित है। कुम्भ राशि वायु तत्व एवं मंगल ग्रह अग्नि तत्व युक्त ग्रह है अतः इनके प्रभाव से आपका व्यवसाय मानसिक एवं बौद्धिक क्रिया प्रधान होगा तथा इसमें आप सतत उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगी दिग्बली मंगल के प्रभाव से स्वपराक्रम से आप इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगी। साथ ही दशम भाव में स्थिर राशि के प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र स्थिर होगा तथा इसमें परिवर्तन की संभावना अल्प ही होगी।

आपके लिए आजीविका की दृष्टि से डाक्टर, सेना, पुलिस, सी आई डी, इंजीनियर, विद्युत एवं ऊर्जा शक्ति से संबंधित विभाग, विद्युत फैक्टरी, होटल या अग्नि से संबंधित कार्य, रत्न संबंधी कार्य एवं अन्य पराक्रमी कार्य शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। यदि आप उपरोक्त विभागों में ही अपने आजीविका क्षेत्र का चयन करेंगी तो इसमें आपको वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। अतः अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए आपको यत्नपूर्वक इन्हीं क्षेत्रों में अपनी आजीविका प्रारंभ करनी चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में आप शस्त्रों का व्यापार, बिजली के उपकरण, दवाइयों का व्यापार, इंजीनियरिंग उपकरण, रासायनिक वस्तु, होटल एवं भारी उद्योग में वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अतः प्रचुर धन एवं लाभ अर्जित करने तथा जीवन में उन्नति प्राप्त करने के लिए आपको उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार करना चाहिए। इससे आपके कार्य में सतत उन्नति होगी एवं किसी भी प्रकार से अनावश्यक समस्याएं एवं तनावों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सप्तमेश मंगल की दशम भाव में स्थिति के प्रभाव से जीवन में आपको किसी उच्च पद एवं विशिष्ट सम्मान की प्राप्ति होगी। साथ ही इसे आप स्वपराक्रम एवं प्रभाव से अर्जित करेंगी। आपको किसी सामाजिक संस्था में भी किसी सम्मानीय एवं प्रभावशाली पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे, परन्तु शनि की राशि के प्रभाव से इसमें यदा कदा विलम्ब या व्यवधान भी आ सकते हैं परन्तु इससे आपको हतोत्साहित नहीं होना चाहिए एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

आपके पिता एक पराक्रमी योग्य एवं तेजस्वी स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा समाज में उनका पूर्ण प्रभाव रहेगा। साथ ही सभी लोग उन्हें वांछित आदर प्रदान करके उनके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह का भाव होगा तथा आपकी शिक्षा दीक्षा की समुचित व्यवस्था करेंगे एवं आपको योग्य बनाना उनका मुख्य उद्देश्य होगा। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र की उन्नति में उनका मुख्य सहयोग होगा तथा उनके प्रभाव से भी आप उन्नति एवं यश प्राप्त करेंगी। आपका भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा का भाव होगा तथा यत्नपूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करेंगी। इसके अतिरिक्त नैसर्गिक पापी ग्रह मंगल के प्रभाव से यदा कदा सैद्धान्तिक एवं वैचारिक मतभेद भी बने रहेंगे लेकिन बुद्धिमता से आप दोनों परस्पर सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे।



लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

Sample

आपके जन्म समय में एकादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा आर्थिक रूप से धनार्जन उत्तम रहेगा। आप महत्वाकांक्षी होंगी तथा मन में कई उमंगें एवं इच्छाएं विद्यमान रहेंगी साथ ही सौभाग्य के बल पर अधिकांशतया इनकी पूर्ति में सफल भी रहेंगी। सरकार, औषधि विज्ञान तथा पिता के द्वारा जीवन में आप विशेष रूप से धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इन्हीं के द्वारा आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी। यदि आप कार्यरत नहीं हैं तो उपरोक्त योग आपके पति की कुंडली में घटित होंगे। इस प्रकार धनार्जन की दृष्टि से हमेशा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी। साथ ही बड़े भाइयों से आपको जीवन में इच्छित सुख, सहयोग, लाभ एवं स्नेह प्राप्त होगा तथा आप भी पितृवत् उनको आदर प्रदान करेंगी।

मित्रों के प्रति आपके मन में पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनके मध्य आदरणीया रहेंगी। आपके सभी मित्र शिक्षित बुद्धिमान एवं चतुर होंगे। आप एक समाजिक प्राणी होंगी तथा अपने क्षेत्र या समाज में ख्याति प्राप्त करेंगी। साथ ही अन्य जनों की भलाई तथा सहयोग करने के लिए भी सर्वदा तत्पर रहेंगी। सामूहिक कार्य या मनोरंजन करना आपको रुचिकर लगेगा। जीवन में आप किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को भी अर्जित करने में सफल हो सकती हैं। आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा परन्तु यदा कदा गर्मी आदि से आपको परेशानी हो सकती है एवं बाएं कान में भी किसी परेशानी से कष्ट होगा। परन्तु आपका सामान्य जीवन धनऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Demo

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी तथा अपनी महत्वाकांक्षा तथा इच्छाओं की पूर्ति के लिए ईमानदारी तथा सत्य का अनुपालन करते हुए कार्यों में सर्वदा तत्पर रहेंगी तथा इनमें आपको सफलता भी प्राप्त होगी। आप जब कभी भी जिस वस्तु की कामना करेंगी आपको यथेष्ट रूप से उसकी प्राप्ति हो जाएगी। आप शिक्षिका, बैंक, कानून या कम्पनी आदि द्वारा इच्छित लाभ एवं धनार्जन करेंगी यदि आप स्वयं कार्यरत नहीं हैं तो आपके पति को उपरोक्त विभागों या सम्बन्धित लोगों से धनार्जन होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। मित्रों के संबंध में आप भाग्यशाली रहेगी तथा उनसे आपको समय समय पर उचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं संकट के क्षणों में मित्रवर्ग आपको पूर्ण प्रोत्साहन प्रदान करेंगे जिससे आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी। वे आपसे वयस्क भी होंगे।

आपका सामाजिक स्तर उच्च रहेगा तथा बड़े बड़े अधिकारी नेता तथा अन्य समाज के महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपके संबंध रहेंगे जिससे समाज में आप एक प्रतिष्ठित तथा सम्माननीय महिला समझी जाएंगी। इसके साथ ही आपको अपने सामाजिक क्षेत्र में पूर्ण ख्याति



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्राप्त होगी। आपको बड़े भाईयों का जीवन में पूर्ण सहयोग तथा स्नेह प्राप्त होगा तथा जीवन में वे प्रत्येक क्षेत्र में आपको यथा शक्ति अपना योगदान प्रदान करेंगे। फलतः आप पितृवत उनका आदर करेंगी। आपको युवावस्था के बाद किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस प्रकार आप जीवन में सुखैश्वर्य एवं संसाधनों से सर्वदा युक्त रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

Sample

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न एवं सुदृढ़ रहेंगी। जीवन में आपको एकानेक साधनों से धन की प्राप्ति होगी लेकिन आपका रहन सहन खान पान आदि उच्च स्तर का रहेगा अतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन के बाद भी उचित मात्रा में बचत कम ही होगी तथा व्यय ही अधिक रहेगा। आप भौतिक सुख संसाधनों तथा उपकरणों पर उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगी। साथ ही वस्त्र आदि भी सुंदर कीमती एवं आकर्षक रहेंगे। इस प्रकार आप अपनी धनाढ्यता का अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्तिमय रहेगा तथा आवास स्थल भी सुंदर एवं सुसज्जित रहेगा जिसकी सजावट में काफी व्यय होगा। वास्तव में आप कलात्मक रूप से जीवन व्यतीत करना पसन्द करेंगी तथा इसके लिए अधिकाधिक धन व्यय की आवश्यकता रहेगी। सुंदर एवं विलासमय वस्तुओं के प्रति आपके मन में तीव्र लालसा रहेगी तथा इनकी प्राप्ति में कितना भी व्यय क्यों न हो आप उसे अवश्य प्राप्त करेंगी। साथ ही परिवार एवं मित्रों के साथ मंहगे होटलों में भोजन या नाश्ता करना आपका शौक रहेगा। अतः आपकी वैभवशालीनता तथा सफलता को देखकर शत्रु आपके लिए रूकावटें उत्पन्न करेंगे जिससे कभी कभी मानसिक रूप से आप तनाव ग्रस्त भी रहेंगी

यात्रा करने में आप रूचिशील रहेंगी तथा देश के साथ साथ विदेश संबंधी यात्राएं भी सम्पन्न करेंगी। इनसे आपको उचित लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा। यद्यपि इनमें व्यय अधिक होगा परन्तु भविष्य में लाभ तथा प्रसिद्धि के योग बनेंगे। आप भ्रमण या कार्यवश दोनों प्रकार की यात्राएं सम्पन्न कर सकती हैं। इसके साथ ही विदेश में काफी समय तक प्रवास भी करेंगी।

Demo

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप धन का सदुपयोग करेंगी तथा अवसरनुकूल बचत करने में भी समर्थ रहेंगी। आप सामान्यतया अनावश्यक व्यय कम ही सम्पन्न करेंगी तथा हमेशा उचित जगह व्यय या निवेश करने की उत्सुक रहेंगी लेकिन आपको सामान्य कंपनियों या अन्य स्थानों पर पूंजी निवेश नहीं करना चाहिए तथा ख्याति प्राप्त जगह ही पूंजीनिवेश करें तभी लाभ प्राप्त होगा।

आपकी जीवन में उन्नति शनैः शनैः सम्पन्न होगी क्योंकि आप किसी भी कार्य को अत्यंत ही सोच समझकर एवं धैर्य पूर्वक सम्पन्न करेंगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया युवावस्था के बाद ही सुदृढ़ तथा संतोष प्रद होगी। अतः आपके आर्थिक क्षेत्र में किसी नाटकीय परिवर्तन की अपेक्षा कम ही रहेगी। इसके साथ ही दीर्घावाधि के निवेशों से



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका सामान्य व्यय परोपकार संबंधी कार्यों पर होगा लेकिन मंगल के प्रभाव से कोई अनावश्यक व्यय भी कर सकती है जिसकी विशेष आवश्यकता न हो। अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। यात्राओं से आपको आनंदानुभूति होगी तथा समय समय पर लाभ भी प्राप्त होगा। जीवन में आपकी विदेश यात्रा अवश्य होगी। यह यात्रा धर्म या धार्मिक कार्य से संबंधित होगी अथवा किसी अन्य मित्र या संबंधी के सहयोग से यह यात्रा सम्पन्न होगी। इस यात्रा से आपको भविष्य में पूर्ण लाभ होगा तथा आपकी ख्याति एवं प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। इसके साथ ही यदा कदा बाएं आंख से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा।

